हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 111 ● भिलाई, गुरुवार 19 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जनता के लिए खोला जाएगा शीश महल, मंत्री प्रवेश वर्मा ने किया ऐलान

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने मंगलवार को शीश महल को लेकर बड़ा फैसला लिया है। शीश महल अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। इसकी जानकारी खुद दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने दी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि शीशमहल अगले सप्ताह से आम जनता के लिए खोला जाएगा। पहले इसे स्टेट गेस्ट हाउस बनाने का फैसला लिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि कभी बंगला और गाड़ी नहीं लेने का दावा करने वाले व्यक्ति ने कई बंगलों को तुड़वाकर शीश महल बनवाया। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, कई सालों से दिल्ली की जनता शीश महल को देखना चाहती थी। मैं दिल्लीवासियों को ये खुशखबरी देना चाहता हूं कि पिछली कैबिनेट की बैठक में यह तय हुआ था कि शीश महल को स्टेट गेस्ट हाउस बनाया जाएगा।

इटली के नेता के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली। हैदराबाद में कांग्रेस की ओर से आयोजित भारत समिट-2026 में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधि के भारतीय राजनीति में कथित हस्तक्षेप को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। जाहिद अली की ओर से अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। याचिका में इटली के नेता और यूरोपियन सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बयानों और वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे पर सवाल उठाए गए हैं। इसके साथ याचिका में केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, तेलंगाना सरकार और भारत समिट के आयोजक समेत कुल 9 पक्षकार बनाए गए हैं। याचिका में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों के भारत की घरेलू राजनीति में भाग लेने पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। इसके साथ ही तेलंगाना सरकार से सार्वजनिक माफी मांगने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए हलफनामा देने की मांग की गई है।

पंजाब में पराली जलाने के 6,433 मामले दर्ज, 2,252 किसानों पर लगाया गया 1.12 करोड़ जुर्माना

पटियाला। पंजाब में धान की कटाई के साथ पराली जलाने की घटनाओं को लेकर पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) और प्रशासन की ओर से निगरानी एवं कार्रवाई जारी है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 16 नवंबर 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पराली जलाने की कुल 6,433 घटनाएं दर्ज की गई हैं। वहीं, राज्य में धान की कुल 32.87 लाख हेक्टेयर भूमि में से 98.50 प्रतिशत क्षेत्र में कटाई पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार पराली जलाने की घटनाओं को लेकर अब तक 5,721 खेतों का निरीक्षण किया गया है। इनमें से 2,524 स्थानों पर फसल अवशेष जलाने की पुष्टि हुई है।

साय कैबिनेट के अहम फैसले

अबूझमाड़िया छात्रों की पढ़ाई पर खर्च होंगे 40.98 करोड़-साय.....

रायपुर। संवाददाता



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में चार अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में ग्रामीण नलजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए नए नियमों को स्वीकृति मिली। इसके तहत छोटी ग्राम पंचायतों को मुख्यमंत्री नल जल अनुदान दिया जाएगा, जबकि 75 प्रतिशत से अधिक जलकर वसूली करने वाली पंचायतों को सालाना 50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी। कैबिनेट ने नारायणपुर के रामकृष्ण मिशन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय को तीन वर्षों में करीब 40.98 करोड़ रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। इसके अलावा राजनांदगांव में बाल सम्प्रेक्षण गृह निर्माण और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के संभागीय कार्यालय की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को भी मंजूरी दी गई। इन फैसलों से ग्रामीण पेयजल व्यवस्था, जनजातीय विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और राजनांदगांव में शैक्षणिक व बाल संरक्षण सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। इसके अंतर्गत पूर्व में लागू वर्ष 2024 के नियमों को निरस्त कर जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए नियम लागू किए जाएंगे। नवीन नियमों में भारत सरकार द्वारा सुझाए गए सभी 19 तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय बिंदुओं को शामिल किया गया है। इससे ग्राम पंचायतों के माध्यम से नलजल योजनाओं का नियमित संचालन, रखरखाव और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित होगा। विशेष रूप से एक हजार से कम आबादी वाली ग्राम पंचायतों में नलजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए 'मुख्यमंत्री नल जल अनुदान' के माध्यम से वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए ग्राम पंचायतों को प्रतिमाह न्यूनतम 50 प्रतिशत जल प्रभार का संग्रहण करना होगा।वार्षिक जल प्रभार की 75 प्रतिशत से अधिक राशि का संग्रहण करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये 'मुख्यमंत्री नल जल प्रोत्साहन राशि' दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लगातार दो वर्षों तक शत-प्रतिशत मीटरिंग सुनिश्चित करने वाली ग्राम पंचायतों को एकमुश्त 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जा सकेगी। राज्य सरकार के इस निर्णय से छोटी ग्राम पंचायतों पर न केवल आर्थिक भार कम होगा, साथ ही ग्रामीण परिवारों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप नारायणपुर में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहके अबूझमाड़िया विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित रामकृष्ण मिशन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय को तीन वर्षों के लिए आवर्ती एवं अनावर्ती अनुदान स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम, 2006 के निर्धारित मापदण्डों में शिथिलीकरण को मंजूरी दी गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ इस महाविद्यालय के संचालन एवं अधोसंरचना विकास के लिए तीन वर्षों में लगभग 40.98 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है।

राजनांदगांव में शिक्षा मंडल के संभागीय कार्यालय के लिए जमीन मंजूर

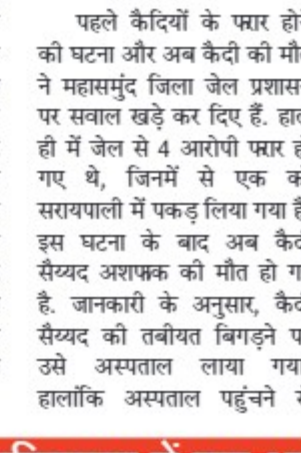
मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के राजनांदगांव में संभागीय कार्यालय की स्थापना के लिए भूमि आबंटन का प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव शहर के बल्देव बाग स्थित स्टेट हाईस्कूल परिसर की 264 वर्गमीटर भूमि माध्यमिक शिक्षा मण्डल को आबंटित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल के संभागीय कार्यालय की स्थापना से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को मण्डल से संबंधित सेवाएं स्थानीय स्तर पर अधिक सुगमता से उपलब्ध हो सकेंगी।

राजनांदगांव में बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन के निर्माण के लिए भूमि आबंटित

मंत्रिपरिषद की बैठक में राजनांदगांव जिले में बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन के निर्माण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को भूमि आबंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव तहसील के ग्राम कौरिनभांठा में राजगामी सांपदा की खसरा क्रमांक 284 की 0.223 हेक्टेयर अर्थात 24,090 वर्गफीट भूमि आबंटित की जाएगी। नवीन सम्प्रेक्षण गृह के निर्माण से विधि से संघर्षरत बालकों के लिए सुरक्षित आवास, देखभाल, परामर्श, शिक्षा एवं पुनर्वास की सुविधाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

मस्जिद आई आड़े,स्थानीय लोगों पे किया विरोध

दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर पर नहीं चला बीएमसी का बुलडोजर..



मुंबई । मुंबई के नागपाड़ा स्थित पाकमोडिया स्ट्रीट में बुधवार को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर पर बुलडोजर चलाने की तैयारी थी, लेकिन धार्मिक स्थल को लेकर स्थानीय लोगों के भारी विरोध के कारण मुंबई महानगरपालिका को अपनी कार्रवाई रोकनी पड़ी। हाजी इस्माइल हबीब मुसाफिरखाना परिसर में दाऊद का पुश्तैनी घर, उसका पुराना कार्यालय और मस्जिद मौजूद है। विवाद इस बात को लेकर खड़ा हुआ कि तोड़क कार्रवाई की जद में धार्मिक स्थल भी आ सकता है। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट विरोध जताते हुए कहा कि धार्मिक स्थल को किसी भी सूरत में नहीं हटाया जाना चाहिए। पाकमोडिया स्ट्रीट और सेकंड कूपर स्ट्रीट का यह इलाका सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट ट्रस्ट के पुनर्विकास प्रोजेक्ट का हिस्सा है। ट्रस्ट इस क्षेत्र को नए सिरे से विकसित कर रहा है। इसी विकास प्रक्रिया के तहत पुरानी इमारतों और निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, धार्मिक स्थल को लेकर स्थानीय लोगों की आपत्ति ने इस प्रक्रिया को नया मोड़ दे दिया है। बुधवार सुबह से ही बीएमसी की कार्रवाई को लेकर इलाके में चर्चा थी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका की टीम के पहुंचने और तोड़क कार्रवाई की तैयारी के बीच स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। धार्मिक स्थल को हटाने की आशंका को लेकर लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई। विरोध को देखते हुए बीएमसी ने बुधवार को कोई तोड़क कार्रवाई नहीं की। फिलहाल दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर और उससे जुड़े परिसर पर कार्रवाई कब होगी।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट, पारा गिरने से बढ़ेगी ठंड; फिलहाल वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अब न केवल न्यूनतम तापमान बल्कि अधिकतम तापमान (दिन का पारा) में भी गिरावट आएगी। इसका सीधा असर यह होगा कि अब लोगों को सुबह और शाम के साथ-साथ दिन में भी हल्की ठंड का एहसास होने लगेगा।

महासमुंद जेल प्रशासन पर सवाल

जेल ब्रेक के बाद अब कैदी की मौत की घटना

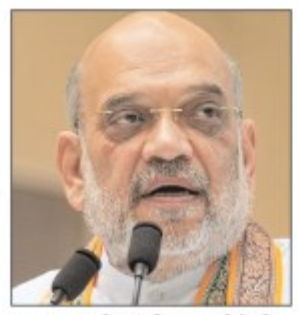
महासमुंद. संवाददाता

पहले कैदियों के फरार होने की घटना और अब कैदी की मौत ने महासमुंद जिला जेल प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं. हाल ही में जेल से 4 आरोपी फरार हो गए थे, जिनमें से एक को सरायपाली में पकड़ लिया गया है. इस घटना के बाद अब कैदी सैय्यद अशफाक की मौत हो गई है. जानकारी के अनुसार, कैदी सैय्यद की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया. हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी. डॉक्टरों ने उसे 'ब्रॉड डेट' घोषित कर दिया. उसकी मौत की वजह हार्ट अटैक बताई गई है. कैदी सैय्यद बिलासपुर के तिफरा स्थित यदु नंदर नगर का निवासी थी और एनडीपीएस मामले में साल 2023 से जेल में बंद था. इस घटना के बाद एक बार फिर जेल प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं. फिलहाल सैय्यद अशफाक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है. मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति साफहो सकेगी.

लश्कर का आखिरी स्थानीय आतंकी ढेर

अमित शाह बोले- बेहतर तालमेल का परिणाम,जवानों को दी बधाई

नई दिल्ली/ एजेंसी



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आखिरी ज्ञात सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने लतीफ भट को मार गिराया। वहीं, उसका एक आतंकी सहयोगी उमर निसार भी इससे एक दिन पहले कुलगाम में मारा गया था। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस पूरे अभियान को जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी), भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से अंजाम दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहद उच्च स्तर का तालमेल देखने को मिला। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करते हुए कहा कि देश उनके साहस को नमन करता है। आतंकी लतीफ भट के मारे जाने के बाद भाजपा नेता रविंदर रैना ने कहा, 'हमारे जवानों ने लश्कर-ए-तैयबा के कुख्यात आतंकवादी लतीफ भट को मार गिराकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है, जिस पर लाखों रुपये का इनाम था। सुरक्षा बलों ने उसे सरेंडर करने का पूरा मौका दिया, यहां तक कि उसके परिवार वालों को भी बुलाया।

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में बस 300 फुट गहरी खाई में गिरी, 8 लोगों की मौत

टिहरी । उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में ऋषिकेश से श्रीनगर जा रही एक बस पुल से लगभग 100 मीटर (करीब 328 फीट 1 इंच) नीचे खाई में गिर गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी सुबह करीब 5:30 बजे मिली। यह हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुलार इलाके के पास हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही, ब्यासी और ढालवाला स्थित स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की टीमें और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक अनौपचारिक संवाद

भारत मौजूदा गंभीर आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा है: राहुल गांधी..

नई दिल्ली/ एजेंसी



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारत गंभीर आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। गांधी ने देश में भारी बेरोजगारी, कमजोर हो चुके विनिर्माण क्षेत्र और शिक्षा प्रणाली में मौजूद गहरी समस्याओं पर चिंता जताते हुए आगाह किया कि यदि भारत मौजूदा आर्थिक नीतियों पर आगे बढ़ता रहा, तो उसे गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कांग्रेस नेता ने यहां कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक अनौपचारिक संवाद कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत के आर्थिक मॉडल ने करीब एक दशक पहले ही अपेक्षित परिणाम देना बंद कर दिया था। उन्होंने सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी पहलों की आलोचना करते हुए दावा किया कि ये योजनाएं देश की कमजोर हो चुकी आर्थिक बुनियाद को फिर से मजबूत करने में नाकाम रही हैं। गांधी ने कहा, सीधी बात यह है कि भारत एक बड़े आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। यही वास्तविकता है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे अनदेखा कर सकती है, लेकिन सच्चाई यह है कि भारत बेरोजगारी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। देश की शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक समस्याएं हैं। मंगलवार सुबह न्यूयॉर्क पहुंचे गांधी ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में सैकड़ों छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले व्यवसाय तथा कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

सुबह छह बजे आयकर विभाग की बड़ी छापेमारी से हड़कंप मचा

बर्बरीक ग्रुप के कई ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने की छापेमारी

रायपुर/संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बुधवार सुबह आयकर विभाग की छापेमारी की खबर से कारोबारी जगत में हलचल तेज हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग की 16 अलग-अलग टीमों ने प्रदेश के पांच जिलों में एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। बताया जाता है कि रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा में कई व्यापारिक प्रतिष्ठान और उनसे जुड़े परिसर जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। कर चोरी से जुड़ी सूचनाओं के आधार पर यह कार्रवाई किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, जांच में अब तक कितनी अघोषित आय या वित्तीय अनियमितता मिली है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आयकर विभाग की टीम ने शहर के प्रमुख लोहा कारोबारी जयप्रकाश मित्तल के ठिकानों पर छापेमारी की है। बुधवार सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारिक जगत में हलचल मच गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग ने इस अभियान के लिए पहले से 16 टीमों का गठन किया था। बुधवार तड़के सभी टीमें निर्धारित स्थानों पर पहुंचीं और एक साथ जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। जांच अधिकारी वित्तीय गतिविधियों और कारोबार से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल कर रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इन पांच जिलों में कुल कितने ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। इस छापेमारी अभियान में बर्बरी कंपनी का नाम भी सामने आया है। शुरुआती सूचना के मुताबिक, आयकर विभाग की टीमें एमडी श्रवण अग्रवाल



के निवास सहित रायपुर और रायगढ़ में कंपनी से जुड़े परिसरों की जांच कर रही हैं। बताया जा रहा है कि इन स्थानों पर कारोबार से जुड़े दस्तावेज और आर्थिक लेन-देन के रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। हालांकि, कंपनी से संबंधित जांच का वास्तविक दायरा और विभाग को अब तक मिले दस्तावेजों के संबंध में आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में कंपनी के खिलाफ कर चोरी का आरोप प्रमाणित होने का निष्कर्ष निकालना फिलहाल उचित नहीं होगा। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, रिंग रोड, शंकर नगर और खम्हारडीह क्षेत्र में भी विभागीय कार्रवाई चल रही है। इन इलाकों से संबंधित कारोबारियों के वित्तीय दस्तावेज और व्यावसायिक गतिविधियों की जांच किए जाने की बात कही जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग की इस कार्रवाई के केंद्र में रायपुर का बर्बरीक ग्रुप है। विभाग की टीमों ने समूह से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक ठिकानों पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इसी कड़ी में ग्रुप के संचालक श्रवण अग्रवाल के निवास पर भी सुबह से ही अधिकारियों ने मोर्चा संभाल रखा है। अधिकारी समूह की कारोबारी गतिविधियों से जुड़े जरूरी दस्तावेजों को बारीकी से खंगाल रहे हैं। इसके अलावा वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की भी गहन पड़ताल की जा रही है। टीम हर पहलू की जांच में जुटी हुई है।

तीन शहरों में एक साथ दबिश

आयकर विभाग की इस कार्रवाई का दायरा केवल राजधानी रायपुर तक ही सीमित नहीं है। विभाग की टीमें बिलासपुर और रायगढ़ में भी एक साथ सक्रिय होकर जांच कर रही हैं। प्रदेश के इन अलग-अलग शहरों में बेहद समन्वित तरीके से यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित प्रतिष्ठानों और उनसे जुड़े सभी रिकॉर्ड की एक साथ जांच करना है। इस पूरी कार्रवाई की व्यापकता का अंदाजा तैनात किए गए अमले से लगाया जा सकता है। जांच अभियान में सौ से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, भोपाल और रायपुर की आयकर टीम संयुक्त रूप से इस पूरी जांच को अंजाम दे रही हैं। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

नियमितीकरण, मानदेय में बढ़ोतरी और पदोन्नति सहित विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रदर्शन

सरकार को जगाने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बजाई थाली



दुर्ग/ (ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ में अपनी लंबित मांगों और समस्याओं के निराकरण को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने एक बार फिर शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नियमितीकरण, मानदेय में बढ़ोतरी और पदोन्नति सहित विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर कार्यकर्ताओं ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। इसी कड़ी में 17 से 19 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रदर्शन के पहले दुसरे बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर थाली बजाकर अपनी आवाज बुलंद की।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शासन का खींचा ध्यान-प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रही हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। सरकार की अनदेखी के विरोध में आंदोलन के पहले दिन कार्यकर्ताओं ने अनोखा तरीका अपनाते हुए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया और अपनी पीड़ा व मांगों को शासन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

प्रमुख मांगों पर एक नजर- आंदोलनरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा उठाई गई मुख्य मांगें

* मानदेय व नियमितीकरणः शासकीय कर्मचारी घोषित कर नियमितीकरण किया जाए और नियमितीकरण होने तक 30 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाए। * पदोन्नति में आरक्षणः पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) के रिक्त पदों पर कार्यकर्ताओं को 50 प्रतिशत पदोन्नति दी जाए, वहीं सहायिकाओं को कार्यकर्ता पद पर शत-प्रतिशत पदोन्नति का लाभ मिले।

* सेवानिवृत्ति लाभः सेवा समाप्ति अथवा सेवानिवृत्ति पर कार्यकर्ताओं को 10 लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि तीन दिवसीय जिला स्तरीय आंदोलन के बाद भी शासन स्तर पर सकारात्मक पहल नहीं होती है, तो वे अपने चरणबद्ध आंदोलन को और अधिक उग्र करने के लिए बाध्य होंगी।

भारती विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजीत



दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग मे संकाय सदस्यो के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास को प्रेरित करने के प्रयोजन से एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (स्नछक) ÷इंपावरिंग फैकल्टी ज इनरिचिंग एजुकेशन÷ की थीम पर आयोजीत किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. रमेश चन्द्रा पांडा (चेयरमैन विग्रो इंडिया), प्रोफेसर (डॉ.) पुर्ण चन्द्रा मिश्रा (डायरेक्टर कीट यूनिवर्सिटी) एवं डॉ. स्मिता रानी पांडा (असिस्टेंट प्रोफेसर कीट यूनिवर्सिटी) के साथ साथ विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानो के बड़ी संख्या में विशेषज्ञ उपस्थित रहे , जिन्होने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यो के साथ कौशल विकास, नवीन शिक्षण पद्धतियों तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं नवाचार के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण, आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं अनुसंधान के नए अवसरों से अवगत कराना तथा उनकी शिक्षण क्षमता को और अधिक सशक्त बनाना था।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उप-कुलपति डॉ. आलोक भट्ट, डायरेक्टर डॉ. आर. पी. अग्रवाल, रजिस्ट्रार डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार, डायरेक्टर डॉ. घनश्याम साहू, डॉ. विद्यावती चंद्राकर, सहित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यो ने शिरकत की ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. चन्द्रिका अहिरवाल, श्रीमती आराध्या पाठक एवं सुश्री दीपान्विता चटर्जी की भूमिका रही। उक्त उपक्रम शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों में नवाचार को बढ़ावा देने तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता स्थापित करने की दिशा में एक अभिनव पहल रही।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत फिजियोथेरेपिस्ट, लैबोरेटरी टेक्नीशियन पद का चयन एवं प्रतिक्षा सूची जारी

जांजगीर-चांपा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में जिला स्तर के रिक्त 48 संवर्ग के 148 संविदा पदों की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिसमे से 02 संवर्ग के 14 संविदा पदो पदनाम फिजियोथेरेपिस्ट और लैबोरेटरी टेक्नीशियन की मेरिट तथा चयन एवं प्रतिक्षा सूची जारी किया जा रहा है। जिसे जिले के वेबसाइट https //janjgir-champa.gov.in/ में भी अवलोकन किया जा सकता है एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला जांजगीर चांपा छ.ग. के नोटिस बोर्ड में भी चस्पा किया गया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के विद्यार्थियों को संस्था एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन की सुविधा उपलब्ध, 30 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन जांजगीर-चांपा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों में परिवर्तन तथा पाठ्यक्रम के वर्ष परिवर्तन की सुविधा विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। उक्त सुविधा का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को 30 नवंबर 2026 तक आवेदन करना होगा। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास ने बताया कि विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का पंजीयन, स्वीकृति एवं भुगतान विभागीय पोर्टल https //postmatric-scholarship.cg.nic.in/ के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसे विद्यार्थी जो शैक्षणिक सत्र 2026-27 में संस्था, पाठ्यक्रम अथवा पाठ्यक्रम के वर्ष में परिवर्तन करना चाहते हैं, वे अपने छात्रवृत्ति आईडी के विद्यार्थी लॉगिन के माध्यम से ऑनलाइन रिक्वेस्ट भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन रिक्वेस्ट भेजने के बाद विद्यार्थियों को अपनी अध्ययनरत संस्था को इसकी जानकारी देनी होगी। संस्था द्वारा उपलब्ध कराए गए आवेदन को पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ कलेक्टोरेट स्थित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय, कक्ष क्रमांक 106, प्रथम तल, जांजगीर (छात्रवृत्ति शाखा) में कार्यालयीन समयावधि के दौरान जमा कर सकते हैं

सरकार के खिलाफआक्रोश रैली, दफ्तर छोड़ सड़क पर उतरे, काले कपड़ों में जताया विरोध

दुर्ग (ब्यूरो)। लंबित मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले बुधवार को दुर्ग शहर की सड़कों पर कर्मचारियों का भारी आक्रोश देखने को मिला। फेडरेशन द्वारा आयोजित इस विशाल आक्रोश रैली में हजारों की संख्या में विभिन्न विभागों के शासकीय कर्मचारी, पेंशनर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं शामिल हुईं। रैली में उमड़ी भारी भीड़ के चलते शहर के व्यस्ततम मालवीय चौक पर चक्का जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।



दमनात्मक रवैया छोड़कर संवाद करे शासन-प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में कहा कि शासन द्वारा कर्मचारियों की जायज मांगों की लगातार अनदेखी किए जाने से पूरे कर्मचारी जगत में गहरा असंतोष व्याप्त है। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अब शासन को दमनात्मक रवैया छोड़कर आपसी संवाद और सकारात्मक दृष्टिकोण के जरिए कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना होगा।

पाँच सूत्रीय मांगों पर बुलंद की आवाज

आक्रोश रैली के दौरान मुख्य रूप से पाँच सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया

* पटवारियों पर कार्रवाई निरस्त होः फेडरेशन ने राजस्व पटवारी संघ के आंदोलन का सम्मानजनक निराकरण करने तथा आंदोलनरत पटवारियों के विरुद्ध की गई समस्त दंडात्मक कार्रवाई व 'ब्रेक-इन-सर्विस' आदेशों को तत्काल प्रभाव से निःशर्त निरस्त करने की मांग की।

* केंद्र के समान डीए और एरियर्सः शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान प्रभावशील तिथि से महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) स्वीकृत करने के साथ ही वर्षों से लंबित एरियर्स का तत्काल भुगतान करने पर जोर दिया गया।

* आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मानः रैली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के उचित मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की मांग को भी प्रमुखता से उठाया गया।

दिखा संगठनों का शक्ति प्रदर्शन-इस विशाल रैली में संभागीय संयोजक राजेश चटर्जी, जिला संयोजक विजय लहरे, भानु प्रताप यादव, प्रभा कुठारे और राजस्व पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। फेडरेशन ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कीमत चुकाई, रजिस्ट्री कराई, फिर भी अपनी जमीन से बेदखल ब्राह्मण समाज! दो एकड़ जमीन पर कब्जे का विवाद, अंकित गौरहा ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। छत्तीसगढ़ ब्राह्मण समाज के बहुउद्देशीय भवन के लिए तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में आवंटित जमीन पर आज तक समाज को वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया है। हैरानी की बात यह है कि समाज ने जमीन की निर्धारित कीमत चुकाई, विधिवत रजिस्ट्री कराई और राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज हो गई, लेकिन इसके बावजूद सीमांकन और कब्जा सौंपने की प्रक्रिया अधूरी है। प्रस्तावित भवन निर्माण का सपना वर्षों से फाइलों में अटका हुआ है।मामले ने उस समय फिर तूल पकड़ लिया जब जमीन पर दोबारा अतिक्रमण की आशंका सामने आई। सवाल यह है कि जब जमीन समाज के नाम पर दर्ज है और पहले भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जा चुका है, तो आखिर अब तक सीमांकन कराकर समाज को विधिवत कब्जा क्यों नहीं सौंपा गया? क्या जमीन की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी प्रशासन की नहीं है?

भूपेश बघेल और प्रदीप शर्मा की पहल से मिली थी जमीन-तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सलाहकार प्रदीप शर्मा की पहल पर ब्राह्मण समाज के बहुउद्देशीय भवन के लिए दो एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई थी। इस परिसर में लगभग 22 हजार वर्गफीट का मुख्य भवन और सात हजार वर्गफीट का एक अन्य भवन प्रस्तावित था। समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए यह परिसर महत्वपूर्ण माना जा रहा था। तत्कालीन शासन के प्रयासों से जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी हुई। समाज के लोगों ने जमीन की कीमत जमा की, रजिस्ट्री कराई और राजस्व रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज कराया। इसके बावजूद सत्ता परिवर्तन के बाद से जमीन के सीमांकन और वास्तविक कब्जे का मामला आगे नहीं बढ़ सका। अब तक भवन निर्माण की दिशा में भी कोई ठोस प्रगति सामने नहीं आई है।

प्रदीप शर्मा ने पूछा—दस्तावेज पूरे तो कब्जा देने में देरी क्यों?-तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे प्रदीप शर्मा ने इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को यह जमीन काफी प्रयासों के बाद शासन की विधिवत प्रक्रिया के तहत मिली थी। समाज ने इसकी कीमत चुकाई, रजिस्ट्री कराई और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए। राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज है। इसके बावजूद समाज को अपनी ही जमीन का कब्जा नहीं मिलना समझ से परे है।उन्होंने बताया कि जमीन पर पहले भी अतिक्रमण था, जिसे तत्कालीन शासन-प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर हटाया गया था। इसके बाद सीमांकन कराकर जमीन समाज को सौंपने की प्रक्रिया पूरी होनी थी, लेकिन यह काम अधूरा रह गया। प्रदीप शर्मा ने सवाल उठाया कि जब प्रशासन पहले अतिक्रमण हटा चुका था, तब उसी समय सीमांकन कराकर समाज को कब्जा क्यों नहीं दिया गया? अब दोबारा अतिक्रमण की आशंका क्यों उत्पन्न हो रही है? उन्होंने मांग की कि जमीन की वर्तमान स्थिति की जांच कराई जाए और यह भी पता लगाया जाए कि यदि दोबारा कब्जे की कोशिश हो रही है तो इसके पीछे कौन लोग हैं।

विचारों को व्यवसाय में बदलने की कला पर व्याख्यान, एसएसपीयू में मीडिया उद्यमिता के नए अवसरों पर हुई चर्चा

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई के इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया एंटरप्रेन्योरशिप टर्निंग आइडिया इन्टू बिजनेस विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में नवभारत समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् श्री रोमशंकर यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. स्मिता सेलोट ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विनय पीतांबरम एवं डॉ. धनेश जोशी, विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग उपस्थित रहे।



इस अवसर पर कुलपति डॉ. स्मिता सेलट ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया ने मीडिया के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की नई संभावनाएं पैदा की हैं। विद्यार्थियों को केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहकर अपने रचनात्मक विचारों को व्यावसायिक स्वरूप देने की दिशा में भी प्रयास करना चाहिए। मीडिया उद्यमिता युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ नए रोजगार के अवसर सृजित करने का सशक्त माध्यम बन सकती है।मुख्य वक्ता एवं नवभारत समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार तथा पर्यावरणविद् श्री रोमशंकर यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान दौर मीडिया में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव और नवाचार का समय है। पारंपरिक पत्रकारिता के साथ-साथ डिजिटल मीडिया ने युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अनेक नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। आज युवा यूट्यूब चैनल, वेब पोर्टल, पॉडकास्ट, डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म, स्वतंत्र पत्रकारिता एवं कंटेंट क्रिएशन के माध्यम से अपने विचारों और रचनात्मक क्षमताओं को व्यवसाय का स्वरूप दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में सफल उद्यमी बनने के लिए केवल एक अच्छे विचार का होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस विचार को व्यावहारिक रूप देने के लिए निरंतर प्रयास, नवाचार, तकनीकी ज्ञान, शोध, विषय की समझ और व्यावसायिक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। पर्यावरण पत्रकारिता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जैव विविधता का संरक्षण, जल संकट, प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। इन मुद्दों को जनसामान्य तक पहुंचाने और पर्यावरण के प्रति सामाजिक चेतना विकसित करने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की धीमी प्रगति पर कलेक्टर नाराज, धीमी प्रगति वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को जारी करें नोटिस

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

अधूरे आवासों और लंबित निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें, ग्राम पंचायतवार नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश

विकसित भारत जी राम जी योजना के क्रियान्वयन में लाएं तेजी, दिसंबर के मानव दिवस लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के निर्देश



जांजगीर-चांपा, कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट के संकल्प सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक ली तथा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने विकसित भारत जी राम जी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान, स्वच्छ भारत मिशन सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार पोयाम, एसीईओ नीतेश वर्मा, प्रभारी उप संचालक पंचायत बरन सिंह मंडावी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम आवास निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित जनपद पंचायतों के सीईओ, पीएम आवास ब्लॉक कोऑर्डिनेटर एवं तकनीकी सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना अंतर्गत स्वीकृत आवासों की ग्राम पंचायतवार प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के पात्र परिवारों को पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसलिए योजना के क्रियान्वयन में गंभीरता बरतते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनपद पंचायतवार एवं ग्राम पंचायतवार आवास निर्माण की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण करने तथा हितग्राहियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिन स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है, उनकी ग्राम पंचायतवार विस्तृत रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विकसित भारत जी राम जी योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसानों का चिन्हांकन कर आजीविका डबरी निर्माण के लिए विशेष अभियान चलाने तथा अधिक से अधिक डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत कर प्रारंभ कराने और आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने दिसंबर माह के लिए निर्धारित मानव दिवस के लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भूजल स्तर में सुधार के लिए बोर रिचार्ज, आंगनबाड़ी भवन एवं पीडीएस भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता से कराने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को समय-सीमा एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में स्वीकृत बालिका शौचालयों के निर्माण की ग्रामवार समीक्षा करते हुए सभी लंबित निर्माण कार्यों को आगामी एक माह के भीतर तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम निर्माण के कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा। बैठक में विकसित ग्राम पंचायत प्लान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आगामी पांच वर्षों में ग्राम पंचायतों के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करने तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला एवं विकासखंड स्तर पर निर्धारित वित्तीय सीमा के अंतर्गत आवश्यक प्रशिक्षण शीघ्र आयोजित करने को कहा। सभी ग्राम रोजगार सहायकों की ई-केवाईसी इसी सप्ताह शत-प्रतिशत पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने जलदूत ऐप में सभी आवश्यक प्रविष्टियां पूर्ण करने तथा जिले के सभी कुओं का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जिले की ग्राम पंचायतों में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त बनाने के लिए नियमित कचरा संग्रहण तथा कचरे के उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गीला कचरा, सूखा कचरा, घरेलू हानिकारक कचरा एवं सैनिटरी कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ग्राम पंचायतों में स्वच्छता गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा ग्रामीणों को कचरे के पृथक्करण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने तथा समूहों के माध्यम से संचालित आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समूहों को नियमित मार्गदर्शन एवं योजनाओं का लाभ दिलाते हुए महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, समग्र विकास की समीक्षा की गई। इसके अलावा कलेक्टर ने राशन कार्ड से संबंधित हितग्राहियों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। विकसित भारत जी राम जी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

शराब घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, विट्ठल कॉलोनी के 355 भूखंडों पर कब्जा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित विट्ठल कॉलोनी के 355 भूखंडों को अपने कब्जे में ले लिया है। इनकी अनुमानित कीमत करीब 61 करोड़ रुपये बताई गई है। यह कॉलोनी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़ी बताई जा रही है। कार्रवाई के बाद ईडी ने कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार पर आधिकारिक सूचना चस्पा कर दी है। जांच एजेंसी के अनुसार, कथित शराब घोटाले से अर्जित अवैध धन का उपयोग इन भूखंडों की खरीद में किया गया था। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत संपत्तियों की कुर्की को निर्णायक प्राधिकरण से मंजूरी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। कुम्हारी की विट्ठल कॉलोनी में कुल 385 भूखंड हैं। इनमें से 30 भूखंड पहले ही बेचे जा चुके हैं, इसलिए उन्हें मौजूदा कार्रवाई में शामिल नहीं किया गया है। शेष 355 भूखंडों पर ईडी ने कब्जा लिया है। इनमें एक व्यावसायिक भूखंड भी शामिल बताया गया है। कॉलोनी के मुख्य द्वार पर सूचना चस्पा कर एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित संपत्तियां अब उसकी कार्रवाई के दायरे में हैं। ईडी करीब तीन हजार करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले की जांच कर रही है। एजेंसी का आरोप है कि शराब कारोबार में कथित अवैध वसूली से प्राप्त धन को अचल संपत्तियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया गया। जांच एजेंसी ने चैतन्य बघेल पर कथित शराब सिंडिकेट के शीर्ष स्तर पर सक्रिय रहने और अवैध लेन-देन का हिसाब रखने के आरोप लगाए हैं। इसी आधार पर उनसे जुड़ी संपत्तियों को कुर्की की कार्रवाई में शामिल किया गया है। हालांकि, ये आरोप जांच एजेंसी के हैं और मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है। विट्ठल कॉलोनी की संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया 10 नवंबर 2025 को शुरू हुई थी। इस दिन ईडी ने अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया था। इसके बाद 8 दिसंबर 2025 को निर्णायक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई। 19 मार्च 2026 को मामले की सुनवाई हुई और 23 मार्च 2026 को प्राधिकरण ने संपत्तियों की कुर्की को मंजूरी दे दी।

पत्नी ने 50 हजार की सुपारी देकर कराई पति की हत्या: कोर्ट ने पत्नी और शूटर को सुनाई उम्रकैद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पति की हत्या की साजिश रचने वाली पत्नी और सुपारी लेकर वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दीपका थाना क्षेत्र के ऊर्जानगर में हुए इस सनसनीखेज हत्याकांड में कटघोरा के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मधु तिवारी की अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। मामले में मृतक की बेटी की गवाही अभियोजन पक्ष के लिए अहम साबित हुई। अतिरिक्त लोक अभियोजक संजय जायसवाल ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की। अदालत ने प्रस्तुत गवाहों, परिस्थितिजन्य और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पत्नी धनेश्वरी राठे और सुपारी लेकर हत्या करने वाले तुषार सोनी को दोषी करार दिया। मामले के अनुसार, दीपका थाने में एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि उसके जीजा जगजीवन राठे ऊर्जानगर स्थित अपने घर में मृत अवस्था में मिले हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि जगजीवन राठे की हत्या की साजिश उनकी पत्नी धनेश्वरी राठे ने रची थी। इसके लिए उसने दीपका के कृष्णा नगर निवासी तुषार सोनी को 50 हजार रुपये एडवांस दिए थे। आरोप के मुताबिक, तुषार ने टंगिया से वार कर जगजीवन की हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद धनेश्वरी राठे ने आरोपी तुषार सोनी को 6 हजार रुपये नकद और एक सोने का हार भी दिया था। पुलिस ने जांच के दौरान पूछताछ और अन्य साक्ष्य जुटाकर दोनों आरोपियों की भूमिका उजागर की।

वाड्रफनगर से राजपुर तबादले के बाद भी पदस्थापना पर सवाल, एसडीओ प्रेमचंद मिश्रा ने अब तक नहीं संभाला कार्यभार!

रायपुर। वन विभाग में स्थानांतरण आदेशों के पालन को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वन मंडल बलरामपुर के अंतर्गत उप वनमंडल वाड्रफनगर में पदस्थ एसडीओ प्रेमचंद मिश्रा का वाड्रफनगर से राजपुर स्थानांतरण किए जाने के बावजूद उनके नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने का मामला चर्चा में है। शासन द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश के बाद भी कार्यभार हस्तांतरण और नई पदस्थापना को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से विभागीय अनुशासन पर सवाल उठने लगे हैं। जारी आदेश के अनुसार, एसडीओ प्रेमचंद मिश्रा को वाड्रफनगर से राजपुर स्थानांतरित किया गया है। वहीं, उनके स्थान पर एसडीओ निखिल सक्सेना की पदस्थापना की गई है। इसके बावजूद प्रेमचंद मिश्रा के राजपुर में कार्यभार ग्रहण करने की स्थिति स्पष्ट नहीं है।स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद उसका समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विभागीय प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शासन के आदेश के बावजूद नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने में देरी क्यों हो रही है?

पीएम स्वनिधि के संभाग स्तरीय सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मेहनत को मिली पूंजी,छोटे कारोबारियों के सपनों को उड़ान दे रही

■ स्मार्ट ठेला पंजीयन का शुभारंभ, उत्कृष्ट हितग्राहियों, प्रतिभाशाली बच्चों, बैंकों और नगरीय निकायों का सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि ठेला-खोमचा लगाकर और छोटे व्यवसाय से परिवार चलाने वाले लोगों की मेहनत को पीएम स्वनिधि योजना ने पूंजी का सहारा दिया है। कभी साहूकारों का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाने वाली कमाई अब कारोबार बढ़ाने, बच्चों की पढ़ाई और परिवार की खुशहाली में काम आ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि छोटे कारोबारी आर्थिक रूप से मजबूत बनें और सम्मान के साथ आगे बढ़ें। एक-एक परिवार आत्मनिर्भर होगा, तभी प्रदेश और देश विकसित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय स्वनिधि महोत्सव में योजना के हितग्राहियों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में स्मार्ट ठेला पंजीयन का शुभारंभ और इसके पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि पथ विक्रेताओं को पहचान पत्र मिलने से व्यवसाय करने में सुविधा होगी। श्री साव ने हितग्राहियों को यूपीआई से जुड़े डिजिटल भुगतान साउंड बॉक्स भी वितरित किए। उन्होंने सफल पथ विक्रेताओं और उनके प्रतिभाशाली बच्चों को मंच पर सम्मानित भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छोटे व्यवसायियों का जीवन संघर्ष और



परिश्रम से भरा होता है। पहले कारोबार के लिए साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था और मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ब्याज में चला जाता था। कोरोना काल में इन परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनकी कठिनाइयों को समझा और वर्ष 2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की। बिना गारंटी के आसान ऋण उपलब्ध होने से लाखों पथ विक्रेताओं को अपना कारोबार फिर खड़ा करने और आगे बढ़ाने का अवसर मिला। श्री साव ने कहा कि योजना में समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राही क्रमशः 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपए तक का ऋण लेकर व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने हितग्राहियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नियमित भुगतान कर अगले चरण का लाभ लें, आमदनी बढ़ाएं और बच्चों को अच्छे विद्यालयों में पढ़ाएं। सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी जुड़ें, ताकि पूरा परिवार सक्षम बने। उन्होंने डिजिटल लेन-देन अपनाने और पात्र हितग्राहियों के लिए उपलब्ध 30 हजार रुपए तक की यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया। श्री साव ने कहा कि बिलासपुर लगातार उपलब्धियों के नए अध्याय जोड़ रहा है। स्वच्छता के क्षेत्र में बिलासपुर को देश में दूसरा तथा छोटे शहरों की श्रेणी में बिल्हा को पहला स्थान मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर में प्रदेश की पहली ऑटोमेटेड कार पार्किंग का उद्घाटन किया है। अब पीएम स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 20 नवम्बर को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ और बिलासपुर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए नगरीय निकायों, बैंकर्स, अधिकारियों और हितग्राहियों को बधाई दी। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि कोई काम छोटा नहीं होता। पथ विक्रेता भारतीय अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। पीएम स्वनिधि उन्हें आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास और गौरव प्रदान कर रही है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दे रही है। उन्होंने योजना से वंचित पात्र लोगों को जोड़ने तथा ऋण प्रक्रिया सरल बनाने पर जोर दिया। कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने भी छोटे व्यवसायियों को निजी कर्ज की कठिनाइयों से राहत दिलाने में योजना की भूमिका का उल्लेख किया।

नया धान खरीदी केंद्र खुलने से किसानों को मिली बड़ी राहत.....

■ टांगापानी के आसपास के 8-9 गांवों के लगभग 850 किसानों को मिलेगी सुविधा, समय और परिवहन खर्च की होगी बचत

रायपुर। संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत आज जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ सहित धमतरी जिले में भी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। जिले के नए और पुराने उपार्जन केंद्रों में खरीदी शुरू होने के साथ ही टांगापानी के किसानों के लिए यह दिन विशेष खुशी लेकर आया। लंबे समय से नए धान खरीदी केंद्र की मांग कर रहे किसानों को अब अपने गांव के समीप ही उपज बेचने की सुविधा मिल गई है। टांगापानी क्षेत्र के आसपास के 8-9 गांवों के किसान पहले धान बेचने के लिए सेमरा (सिहावा) उपार्जन केंद्र जाते थे। दूरी अधिक होने के कारण उन्हें परिवहन खर्च, समय और अतिरिक्त मेहनत उठानी पड़ती थी। नए केंद्र के शुरू होने से लगभग 850 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले करीब 1,400 किसानों का दबाव छोटे उपार्जन केंद्र पर रहता था, जिससे खरीदी के दौरान भीड़ और असुविधा होती थी। अब किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा मिलेगी। नए केंद्र में पहले ही दिन किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला। आज दो किसानों ने टोकन के माध्यम से कुल 58 क्विंटल धान का विक्रय किया। ग्राम खड़पथरा के किसान मोतीराम ध्रुव, पिता रामभुवन ने 40 क्विंटल तथा धर्मेंद्र कुमार निषाद, पिता प्यारीलाल निषाद ने 18 क्विंटल धान बेचा। किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे समय और परिवहन खर्च दोनों की बचत होगी तथा धान बेचने की प्रक्रिया भी सुविधाजनक होगी।

शादी का निमंत्रण कार्ड भेजकर मोबाइल हैक किया, एसबीआई खाते से उड़ाए 98 हजार

रायपुर। शादी का निमंत्रण कार्ड भेजने के बहाने मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 98 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपी को जांजगीर-चांपा पुलिस ने केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम जमा हुई थी, जिसे उसने निकालकर घरेलू खर्च में उपयोग कर लिया था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त करने के साथ बैंक खाते को भी बंद कराने की कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में साइबर अपराधों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के तहत साइबर थाना पुलिस ने यह सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, नैला स्टेशन रोड निवासी राजेश कुमार थवाईत के मोबाइल पर 6 जून 2026 को व्हाट्सऐप के माध्यम से शादी का निमंत्रण कार्ड भेजने के बहाने एक एपीके फाइल भेजी गई थी।

ऑफलाइन टोकन से धान बेचना हुआ आसान

कोटाडोल केंद्र की व्यवस्थाओं से खुश किसान जयपाल यादव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए की गई धान खरीदी व्यवस्थाओं का सकारात्मक असर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के उपार्जन केंद्रों में देखने को मिल रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से किसानों में उत्साह है। इसी क्रम में जिले के ग्राम मसर्रा निवासी किसान जयपाल यादव अपनी 35.20 क्विंटल धान की उपज लेकर कोटाडोल उपार्जन केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने ऑफलाइन टोकन सुविधा का लाभ उठाते हुए धान विक्रय की प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी



नहीं होने की बात कही। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। किसान जयपाल यादव ने बताया कि इस बार उन्होंने धान बेचने के लिए ऑफलाइन माध्यम से टोकन प्राप्त किया। टोकन प्राप्त करने से लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचने तक उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। उन्होंने बताया कि टोकन व्यवस्था से निर्धारित तिथि पर अपनी उपज लेकर केंद्र पहुंचना आसान हुआ है। इससे किसानों को धान विक्रय के लिए अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई व्यवस्थाएं सराहनीय हैं। जयपाल यादव ने उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए बताया कि धान की तौल के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटा एवं आवश्यक माप उपकरण उपलब्ध हैं। बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था होने से धान विक्रय में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

धान खरीदी से किसानों में खुशी, सुविधा जनक टोकन व्यवस्था से मिली बड़ी राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 15 नवंबर से प्रदेशभर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ की गई है। राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों और धान खरीदी की सुविधाजनक व्यवस्थाओं से जशपुर जिले के किसानों में खुशी और उत्साह का माहौल है। धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छाया, बैठने और पारदर्शी तौल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस वर्ष किसानों को धान का प्रति क्विंटल 3100 रुपये मूल्य सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिलने के साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए धान खरीदी केंद्रों में ऑफलाइन टोकन के साथ ही श्टोकन तुहर हाथश् मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस व्यवस्था से किसान घर बैठे अपने मोबाइल के माध्यम से धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं। इससे उन्हें बार-बार खरीदी केंद्रों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। साथ ही समय की बचत होने और धान विक्रय की निर्धारित तिथि की जानकारी पहले से मिलने के कारण किसान अपनी सुविधा के अनुसार धान बेचने की तैयारी कर पा रहे हैं। जशपुर जिले के धान खरीदी केंद्र गढ़ाबहार पहुंचे किसान श्री भोला यादव ने राज्य सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि श्टोकन तुहर हाथश् मोबाइल ऐप के माध्यम से वे भी घर बैठे अपना टोकन जारी करेंगे। इससे धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान होगी और अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी। श्री यादव ने बताया कि धान खरीदी केंद्र में किसानों के लिए पेयजल, छाया, बैठने और तौल की अच्छी व्यवस्था की गई है। किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी के साथ किसानों को मिलेगी 13,839 रुपये की सहायता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 15 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस बार किसानों को आर्थिक राहत देने के लिए धान खरीदी नीति में अहम प्रावधान किए हैं। इसके तहत पात्र किसानों को कृषक उन्नति योजना के माध्यम से प्रति एकड़ 13,839 रुपये की एक समान आदान सहायता राशि दी जाएगी। खास बात यह है कि किसान निर्धारित अधिकतम सीमा से कम धान बेचते हैं, तब भी उन्हें पात्र रकबे के अनुसार पूरी सहायता मिलेगी। राज्य सरकार ने इस खरीफ सीजन में प्रदेश के 27 लाख 50 हजार से अधिक किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदने की व्यवस्था की है। न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना के तहत मिलने वाली सहायता को मिलाकर किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नई व्यवस्था के तहत किसानों को धान की बिक्री की मात्रा के आधार पर आदान सहायता में कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, एक एकड़ पंजीकृत रकबे वाला किसान यदि 21 क्विंटल के बजाय केवल 15 क्विंटल धान बेचता है, तब भी उसे 13,839 रुपये की पूरी सहायता राशि मिलेगी।

ऑनलाइन टोकन से आसान हुई धान बिक्री, किसान प्रियांशु दुबे ने 51.20 क्विंटल धान का किया विक्रय



■ देवाडांड उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं से संतुष्ट किसान, घर बैठे टोकन मिलने से समय और श्रम की हुई बचत

रायपुर/ संवाददाता

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए की गई सुविधाजनक व्यवस्थाओं से किसानों को राहत मिल रही है। ऑनलाइन टोकन सुविधा ने धान बेचने की प्रक्रिया को आसान बनाया है, जिससे किसानों को अब टोकन के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसी सुविधा का लाभ उठाकर ग्राम देवाडांड निवासी किसान श्री प्रियांशु दुबे अपनी 51.20 क्विंटल धान की उपज लेकर देवाडांड उपार्जन केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए शासन की पहल की सराहना की। किसान प्रियांशु दुबे ने बताया कि इस बार धान बेचने के लिए उन्हें घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन मिल गया। इससे समिति कार्यालय के चक्कर लगाने और कतार में इंतजार करने की परेशानी से राहत मिली। निर्धारित तिथि की जानकारी पहले से होने के कारण वे अपनी उपज लेकर आसानी से खरीदी केंद्र पहुंच सके। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों का समय बचने के साथ धान परिवहन की तैयारी करना भी सुविधाजनक हुआ है। प्रियांशु दुबे ने बताया कि देवाडांड उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा के लिए इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, पर्याप्त बारदाना, बैठने और शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। धान की तौल एवं खरीदी की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित होने से उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्थाओं से किसानों को अपनी मेहनत की उपज बेचने में काफी सहूलियत मिल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की व्यवस्था की सराहना करते हुए प्रियांशु दुबे ने कहा कि खेती में महीनों की मेहनत और लागत लगती है। ऐसे में उपज का बेहतर मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक संबल मिलता है। इससे परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ आगामी खेती-किसानी के लिए भी सहायता मिलती है। किसान प्रियांशु दुबे ने कहा कि सरकार द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने और उपार्जन केंद्रों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने ऑनलाइन टोकन व्यवस्था, सुव्यवस्थित खरीदी प्रक्रिया और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कम धान उत्पादन करने वाले किसानों को भी मिलेगा पूरा लाभ

पारदर्शिता और सुव्यवस्था के साथ हो धान खरीदी, किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो विशेष ध्यान रखे:रीना बाबा साहेब

■ खाद्य सचिव ने अभनपुर, पचेड़ा और केंद्री धान उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण, किसानों से लिया फीडबैक

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का महाभियान पूरी गति से संचालित हो रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर से शुरू हुए इस महाभियान के तहत प्रदेश के लगभग 28 लाख पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। किसानों की सुविधा और खरीदी व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। इस तरह प्रदेश में लगभग 3100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सचिव श्रीमती रीनाबाबा साहेब कंगाले ने आज रायपुर जिले के अभनपुर, पचेड़ा और केंद्री धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धान तौल प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा उपार्जन केंद्रों में पहुंचे किसानों से सीधे चर्चा कर धान विक्रय, टोकन व्यवस्था और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। श्रीमती कंगाले ने कंप्यूटर कक्ष में बैठकर किसानों के रकबा पंजीयन और ऑनलाइन टोकन जारी करने की प्रक्रिया का भी परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक पात्र किसान से उसका धान सहजता और सुव्यवस्थित तरीके से खरीदना है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य सचिव श्रीमती कंगाले ने किसानों को राज्य सरकार के किसान हितैषी निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत यदि कोई किसान एक एकड़ में 10 से 15 क्विंटल धान का ही उत्पादन करता है और उतनी ही मात्रा में धान का विक्रय करता है, तब भी उसे कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि देय होगी। उन्होंने अधिकारियों को इस महत्वपूर्ण निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा प्रत्येक किसान तक इसकी जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

मैनहोलो में गिरते बच्चे, हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण

खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। राजधानी दिल्ली के रणहौला इलाके में चार साल के मासूम बच्चे का खुले सीवर में गिर जाना और चौबीस घंटे बाद निलोठी के अवजल उपचार संयंत्र से उसका क्षत-विक्षत शव मिलना महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। जिस उम्र में बच्चे के हाथ में खिलौने होने चाहिए थे, वह अपनी मां के साथ मोहन गार्डन के पार्क की ओर जाते समय खुले गटर में समा गया।नांगली विहार एक्सटेंशन में खेरी बाबा पुल के पास जब एनडीआरएफ, दमकल विभाग और स्थानीय गोताखोर गंदे पानी के तेज बहाव में उस नन्ही जान को तलाश रहे थे, तब स्थानीय लोग केवल उम्मीद और बेबसी के सहारे खड़े थे। आखिरकार जो शव सामने आया, वह संयंत्र की मशीनों में कटकर टुकड़ों में बंटा था।यह दृश्य किसी भी सभ्य समाज और उसकी व्यवस्था की अंतरात्मा को झकझोरने के लिए काफी है। हकीकत यह है कि अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस पर शायद ही कभी ध्यान देते हैं। आखिर इस तरह की तमाम दर्दनाक घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है?खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। अफसोसनाक है कि बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन अथवा सरकारी तंत्र लापरवाही से अपनी आंखें मूंदे रखता है। घटनाएं होती रहती हैं और संवेदनशून्य सरकारी तंत्र चुप्पी साधे रहता है।सड़कों पर खुले मैनहोल से लेकर नाले में गिर कर लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं, लेकिन उनसे सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सड़कों पर अगर खुले मैनहोल या नाले मौत को न्योता देते रहते हैं, तो इसे सुरक्षित तरीके से ढकना या घेरा बनाना किसकी जिम्मेदारी है।राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम अन्य शहरों से भी ऐसे दिल दहलाने वाले मामले लगातार सामने आते रहते हैं, लेकिन कहीं कोई जवाबदेही नजर नहीं आती। जब तक इन गंभीर लापरवाहियों के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराकर सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल बना रहेगा।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है।

(ललित गर्ग)

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।



इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे।

जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की? लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

छोटी-छोटी कोशिशों में छिपी हैं बड़ी संभावनाएं, नए विचारों और रिश्तों के लिए जगह बनाना क्यों जरूरी

(अनंत पद्मनाभन)

किसी साधारण अनुभव में छिपा सवाल हो या सामने मौजूद कोई बड़ी समस्या, दोनों पर सोचने के लिए जिज्ञासा और धैर्य चाहिए। जीवन में जिम्मेदारियां और चिंताएं इतनी बढ़ती हैं कि आसपास की छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना कठिन हो जाता है। हम किसी को प्रोत्साहित करना, उसकी बात सुनना या नया विचार समझना चाहते हैं, लेकिन हमारी अपनी परेशानियां बीच में आ जाती हैं। ऐसे में जरूरत थोड़ी जगह बनाने की होती है। जब मन तनाव और जल्दबाजी से घिरा रहता है, तो हम परिचित रास्तों पर चलना पसंद करते हैं। परिचित रास्ते सुरक्षित लगते हैं। पुरानी धारणाओं से चिपके रहने पर हम कई बार आसपास मौजूद अवसरों को पहचान नहीं पाते।

सवाल यह है कि नई बातों के लिए जगह कैसे बनाई जाए। कविता शुक्ला केवल बारह वर्ष की थीं, जब भारत में अपनी दादी से मिलने के दौरान एक अनुभव ने उनकी जिज्ञासा जगाई। दूषित पानी पीने की आशंका के बाद दादी ने उन्हें मसालों से बना एक पारंपरिक उपाय दिया। कविता जानना चाहती थीं कि यह कैसे काम करता है। उनके प्रयासों से 'फ्रेशपेपर' नामक नवाचार विकसित हुआ, जो फलों और सब्जियों को अधिक समय तक ताजा रखने में मदद करता है। सत्रह वर्ष की उम्र में उन्हें इसका पेटेंट मिला।

इसी तरह, नीदरलैंड के बोयान स्लाट ने किशोरावस्था में समुद्र में फैले प्लास्टिक की समस्या को गंभीरता से लिया। सोलह वर्ष की उम्र में यूनान की एक गोताखोरी यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्र में प्लास्टिक की थैलियां देखीं। इस अनुभव से उनके मन में सवाल उठा कि समुद्र से प्लास्टिक हटाने का कोई बेहतर तरीका भी क्यों नहीं खोजा जा सकता। उन्होंने विचार को आगे बढ़ाया और 2013 में 'द ओशन क्लीनअप' की स्थापना की। इन दोनों यात्राओं की शुरुआत अलग-अलग अनुभवों से हुई। एक ने रोजमर्रा की घटना में सवाल खोजा, तो दूसरे ने सामने दिखाई दे रही समस्या को अनदेखा नहीं किया। हर सवाल किसी खोज तक नहीं पहुंचता, लेकिन सवाल पूछने की आदत हमें नए रास्तों के बारे में सोचने का मौका देती है।

हमारे आसपास भी ऐसे लोग हैं, जिनके मन में कोई विचार होता है, लेकिन उन्हें खुद उस पर भरोसा नहीं होता। कोई विद्यार्थी असफल होकर निराश हो सकता है। कोई सहकर्मी नया काम शुरू करने से हिचकिचा सकता है। कोई व्यक्ति अपने सपने को टाल रहा हो सकता है। ऐसे समय में किसी का यह कहना कि एक बार कोशिश करके देखिए, उसके भीतर विश्वास जगा सकता है। उसे पहले यह महसूस करने की जरूरत होती है कि कोई उसकी बात समझने को तैयार है। इस दिशा में शुरुआत बहुत छोटी हो सकती है। रोज कुछ मिनट किसी की बात बिना बीच में टोके सुनने, नए विचार को तुरंत खारिज करने के बजाय उसके बारे में सवाल पूछने, किसी निराश व्यक्ति को उसकी पिछली कोशिशों की याद दिलाने से समस्याएं भले दूर नहीं होंगी, लेकिन आगे बढ़ने का भरोसा मजबूत हो सकता है। दूसरों के लिए जगह बनाने के साथ अपने भीतर भी नई संभावनाओं के लिए जगह रखना जरूरी है। हम पुराने तरीकों से जुड़े रहते हैं और बदलाव की संभावना पर विचार नहीं करते। कोई विचार असामान्य लग सकता है, लेकिन उसे समझने पर उपयोगी पहलू दिख सकते हैं। इसका अर्थ हर नए सुझाव को स्वीकार करना नहीं है। खुले मन से सुनना और सोच-समझकर निर्णय लेना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

रिश्तों में भी यही समझ काम आती है। व्यस्तता के कारण परिवार के साथ बातचीत टलती रहती है और पुराने मित्र को फोन करने का समय नहीं मिलता। ऐसी छोटी चूकें धीरे-धीरे दूरी बढ़ा सकती हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से मजबूत नहीं होते, उनमें ध्यान, संवाद और सम्मान बहुत जरूरी है। किसी अपने से हालचाल पूछना, उसकी चिंता सुनना या उसके साथ समय बिताना संबंधों में नई गरमाहट ला सकता है। हर संभावना को अवसर देना और हर काम को अपने जिम्मे ले लेना अलग बातें हैं। हमारे समय और ऊर्जा की भी सीमाएं हैं। इसलिए यह पहचानना जरूरी है कि कौन-सी चिंताएं ध्यान मांगती हैं और कौन-सी चिंता केवल मानसिक बोझ बढ़ाती है। दूसरों से अपनी तुलना करते रहना, पुरानी शिकायतों को पकड़े रहना और हर अपेक्षा पूरी करने की कोशिश करना हमें थका सकता है। कुछ बातों को स्वीकार करना और कुछ को छोड़ देना भी आगे बढ़ने का हिस्सा है। अपने किसी पुराने सपने की ओर लौटना भी ऐसी ही शुरुआत हो सकती है। जरूरी नहीं कि हम तुरंत बड़ा फैसला लें। अगर लिखना चाहते हैं, तो प्रतिदिन कुछ पंक्तियां लिख सकते हैं। नया कौशल सीखने के लिए थोड़ा समय निकाल सकते हैं। किसी संबंध में दूरी आ गई है, तो बातचीत की पहल कर सकते हैं। छोटे कदम हमें यह समझने में मदद करते हैं कि हमारी इच्छा किस दिशा में ले जा सकती है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांवों तक पहुँच रही है विकास की रोशनी

बदल रहा है छत्तीसगढ़, संवर रहा है आदिवासियों की जिंदगी

धनंजय राठौर
सयुक्त संचालक, जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की नीति के चलते पूरे छत्तीसगढ़ के वनांचलों में बदलाव की बयार बहने लगी है। वहां के वातावरण और जनजीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। विकास एवं निर्माण कार्यों में शासकीय मिशनरी के साथ-साथ आम जनता की भागीदारी बढ़ी है, जिसके चलते छत्तीसगढ़ का हर इलाका तेजी से विकास की मुख्य धारा से जुड़कर तरक्की की राह चल पड़ा है। स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पेयजल, विद्युत विकास के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। सड़क विहीन क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा रहा है, इससे शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ आमलोगों तक आसान हो गया है।

पीएम-जनमन पीएम-जनमन (क्कह्लह्लह्ल) का पूरा नाम प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (क्कह्लस्नद्धह्लह्ल स्नह्लह्लह्लद्ध ह्लह्लह्लद्धह्लह्लद्ध ,स्नद्ध1ह्लह्लद्ध ह4ह्ल4ह्ल स्नह्लद्धह्ल ह्लद्धद्ध4ह्लह्लह्ल) है। यह भारत सरकार की एक विशेष योजना है जिसका उद्देश्य देश के सबसे पिछड़े और संवेदनशील विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। इस योजना का उद्देश्य पक्का और सुरक्षित आवास (प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत), स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, बेहतर शिक्षा और स्कूल/छात्रावास, स्वास्थ्य सेवाएं और मोबाइल मेडिकल यूनिट, बेहतर पोषण (आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए), पक्की सड़कें और दूरसंचार (रोड और टेलीकॉम) कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना, बिना बिजली वाले घरों का विद्युतीकरण, स्थायी आजीविका के अवसर और कौशल विकास (जैसे वन धन केंद्र) का अवसर प्रदान करना है।

छत्तीसगढ़ के घने वनांचलों और दूरदराज बसे गांवों में पक्की सड़क और सिर पर पक्की छत होना कभी एक अकल्पनीय सपने जैसा था। बीमारी के दिनों में मीलों पैदल चलकर अस्पताल पहुँचना एक कठिन चुनौती थी, तो वहीं बिजली, साफ पानी और बेहतर शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी हर परिवार की पहुँच से कोसों दूर थीं। लेकिन आज, प्रधानमंत्री जनमन (क्कह्लह्लह्ल) योजना के जरिए इन इलाकों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के गोंड, मुरिया, माड़िया, धुरवा, हल्बा, भतरा, दोरला, दंडामी माड़िया, कोरवा, उरांव, कंवर, बिंझवार, मांझी जनजातीय समूह निवासरत हैं, इनमें से बैगा और पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार और अबूझमाड़िया जैसे विशेष पिछड़ी जनजाति (क्कह्लङ्घ) समुदायों के घरों तक अब विकास और सम्मान की बयार पहुँच रही है। प्रदेश में इन विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभ दिलाने हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के बसाहटों को चिन्हांकित कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित एवं पात्र सभी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

दशकों की उपेक्षा के बाद शासन की सीधी पहुँच: विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (क्कह्लङ्घलह्ल) या विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र उत्थान और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। लंबे समय की भौगोलिक और सामाजिक उपेक्षा के बाद, अब शासन की सीधी पहुँच दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय गांवों तक सुनिश्चित की जा रही है। 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के विशेष अवसर पर इन बदलावों का आकलन करना यह रेखांकित करता है कि कैसे यह पहल जनजातीय समुदायों को बेहतर जीवन और विकास के समान अवसर उपलब्ध करा रही है। इस योजना का मूल उद्देश्य केवल भौतिक बुनियादी ढांचा तैयार करना भर नहीं है, बल्कि दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे परिवारों तक शासन को खुद चलकर पहुँचाना है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवंबर 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धरातल पर इस प्रतिबद्धता के साथ उतारा गया कि देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा छत्तीसगढ़ को इसकी उत्कृष्ट सफलता के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पक्के मकान और सड़कों से सुदृढ़ होती कनेक्टिविटी: विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ के श्री विष्णु देव साय की सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी आजीविका के साधनों को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इन जनजाति समूह के लोगों को व्यवसाय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समग्र विकास करना है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में वनांचलों के निवासियों के लिए बड़ा बदलाव आया है। राज्य में विशेष पिछड़ी जनजातियों के 34,691 पक्के मकान स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 24,218 (लगभग 69 प्रतिशत) मकानों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इससे उन परिवारों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है जो कभी कच्चे या झोपड़ीनुमा घरों में रहने को विवश थे।

गांवों को मुख्यमार्गों और बाजारों से जोड़ने के लिए 2,901 किलोमीटर लंबी सड़कों को मंजूरी दी गई, जिसमें से 1,833 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय आजीविका के रास्ते सुगम हुए हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं।

बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार: दूरस्थ वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय बस्तियों में सौर ऊर्जा और ऑन-ग्रिड बिजली के माध्यम से रोशनी पहुंचाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में टॉवर फ्रीडर और ट्रांसफार्मर स्थापित कर हजारों परिवारों को शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन से जोड़ा गया है। जल जीवन मिशन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के हजारों घरों तक पाइपलाइन के जरिए शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है, जिससे उन्हें दूर से पानी लाने या झिरिया का अशुद्ध पानी पीने की मजबूरी से मुक्ति मिल रही है। दुर्गम वनांचलों में बुनियादी सुविधाओं के मोर्चे पर भी अभूतपूर्व काम हुआ है। राज्य में 7,349 परिवारों का ऑफग्रिड विद्युतीकरण शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। साथ ही, 1,490 लक्षित गांवों में से 940 गांवों में और पेयजल के मामले में 1,425 में से 510 गांवों में शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया गया है।

स्वास्थ्य और पोषण: विशेष पिछड़ी जनजातीयों में आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल की जांच और बचाव के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है। विभिन्न आयु वर्ग के लोगों और गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने के लिए आयरन-फोलेट एसिड की अनुपूरक खुराक दी जाती है। स्थानीय स्तर पर पोषण वाटिका और संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों तक पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पहुंचाना प्राथमिकता में है। कुपोषण की रोकथाम के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की उचित देखभाल और संतुलित पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जा रहा है। दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट (MMU) संचालित की जा रही हैं जो सीधे बस्तियों तक जाकर स्वास्थ्य सेवाएं और दवाइयां मुहैया कराती हैं। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना और आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे घर-द्वार तक पहुँचाने के लिए 61 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स पूरी तरह सक्रिय हैं। इसके अलावा, स्वीकृत सभी 191 आंगनबाड़ी केंद्र वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।

आजीविका और डिजिटल पहुँच: विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs या विशेष पिछड़ी जनजातियों) के क्षेत्रों में आजीविका के पारंपरिक साधनों को आधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी से जोड़कर व्यापक सामाजिक-आर्थिक सुधार किए जा रहे हैं। इन सुदूर और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों में 'डिजिटल समावेशन' के माध्यम से नए अवसर पैदा हो रहे हैं। पारंपरिक रूप से इन जनजातियों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि और लघु वन उपज (स्नह्वह्ल) जैसे कि शहद, महुआ, तेंदू पत्ता और जड़ी-बूटियों पर निर्भर रही है। सरकार अब इन्हें मुख्यधारा के बाजारों से जोड़ने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री जनमन (PM-JANMAN) योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सैकड़ों वन-धन विकास केंद्र सक्रिय किए गए हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में सक्रिय केंद्रों के माध्यम से हजारों सदस्यों को उद्यमिता और मूल्य संवर्धन (Value Addition) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (PMJVM) के तहत वन उपजों की बिचौलियों पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा अधिसूचित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार



शिव महापुराण कथा का तीसरा दिन, शतरुद्र संहिता, शिव सति कथा और महामृत्युंजय कथा का वाचन

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के देवांगन धर्मशाला, नया हटरी में चल रही शिव महापुराण कथा का आज तीसरा दिन है। कथा व्यास पं. देवी दयाल चतुर्वेदी जी (कोरबा वाले) आज श्रद्धालुओं को शिव कथा का रसपान कराये. वहीं तीसरे दिन शतरुद्र संहिता, शिव सति कथा, शक्ति पट कथा और महामृत्युंजय कथा का वाचन हुआ ।बता दें, यह कथा 14 नवंबर से शुरू हुई है और 20 नवंबर 2026 तक चलेगी। कथा स्व. चिरंजीव लाल नामदेव, स्व. श्रीमती चारो बाई नामदेव की स्मृति में आयोजित की जा रही है।

मुख्य यजमान सुरेश – मनीषा नामदेव हैं। पहले दो दिनों में कलश यात्रा, वेदी पूजन, रुद्र संहिता, शिव शक्ति बोध कथा और शिवरात्रि महिमा की कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे भटगांव में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। वहीं तीसरे दिन कथा मे अतिथि के रूप मे नगर पंचायत उपाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध मूर्तिकार प्रदीप देवांगन एवं प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर व पत्रकार के. पी. पटेल अपने परिवार सहित कथा श्रवण करने पहुंचे और कथा वाचक से आशीर्वाद प्राप्त किया.



बालको की गौरवशाली विकास यात्रा से रूबरू हुए कंपनी के सेवानिवृत्त कर्मचारी

बालकोनगर। कुछ रिश्ते समय और दूरी से कभी कम नहीं होते। वर्षों तक बालको का हिस्सा रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अपने पुराने कार्यस्थल पर लौटना यादों, अनुभवों और भावनाओं से जुड़ने का एक विशेष अवसर बना। कोलकत्ता, पुणे, हैदराबाद सहित देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बालको संयंत्र का भ्रमण कर कंपनी की गौरवशाली विकास यात्रा और बदलते स्वरूप को करीब से देखा। वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान और उनके साथ आत्मीय जुड़ाव बनाए रखने की परंपरा के तहत इस विशेष संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया। वर्षों बाद अपने पुराने कार्यस्थल पर पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने उन स्थानों का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने करियर के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और बालको की विकास यात्रा में अपना योगदान दिया था। भ्रमण के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने स्मेल्टर, कास्ट हाउस, पावर प्लांट सहित संयंत्र की प्रमुख इकाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने संयंत्र में हुए तकनीकी बदलावों, आधुनिक मशीनरी, उन्नत सुरक्षा प्रणालियों, डिजिटलीकरण और उत्पादन क्षमता में हुई वृद्धि को देखा। विशेष रूप से एआई आधारित सुरक्षा तकनीकों और आधुनिक कार्यप्रणालियों ने उन्हें प्रभावित किया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने उन्हें बालको की वर्तमान उपलब्धियों, विस्तार योजनाओं और भविष्य की विकास यात्रा की जानकारी भी दी। सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री वी के धर ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, मैं मानव संसाधन विभाग में कार्य करता था। उस समय बालको में लगभग एक लाख टन उत्पादन होता था, जबकि आज कंपनी 10 लाख टन उत्पादन के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है।



छत्तीसगढ़ी विवाह परंपरा के साथ निकली चुलमाटी, नौ दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव शुरू

बेमेतरा। श्री तुलसी विवाह एकादशी के पावन अवसर पर ग्राम मुरता में नौ दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव का शुभारंभ सोमवार, 16 नवंबर को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक उल्लास के साथ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति और विवाह परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिली। नगाड़ों की थाप, मंगल गीतों और पारंपरिक रस्मों के बीच पूरे गांव ने चुलमाटी की रस्म निभाई।चुलमाटी के दौरान छत्तीसगढ़ी विवाह संस्कार के अनुरूप सभी पारंपरिक रीति-रिवाज निभाए गए। इसके बाद मंगरोहन की रस्म हुई और तेल-हल्दी की रस्म संपन्न हुई। महिलाओं ने तुलसी महारानी के समक्ष अक्षत अर्पित कर पारंपरिक भड़ौनी गीत गाए। नगाड़ों की गूंज और मंगल गीतों से पूरा गांव उत्सवमय हो उठा।धार्मिक आयोजन के साथ ग्रामीणों ने अपनी पुरातन लोकपरंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत किया। पहले दिन कंस जन्म और श्रीकृष्ण जन्म की लीलाओं का मंचन हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

30 लाख रूपए की लागत से बनेगा कलार समाज का सामुदायिक भवन, समाज को मिलेगी बेहतर सुविधा

राजनादगांव। कलार डड़सेना सिन्हा समाज को आगामी दिनों में बेहतर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए सामुदायिक भवन की सौगात मिलने वाली है। इसके लिए प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की ओर से समाज को सामुदायिक भवन निर्माण हेतु संस्कारधानी राजनांदगांव के बजरंगपुर वार्ड में बतौर प्रथम किश्त 30 लाख रू. की राशि प्रदान की गई है, जिसका भूमिपूजन कार्यक्रम मंगलवार को प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य, सांसद संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता तथा पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एमडी ठाकुर, भाजपा के जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इससे पूर्व समाज के दानशील स्व. उभेराम सिन्हा द्वारा प्रदत्त लगभग 53 डिसमिल भूभाग पर बनने वाले जिले के एकमात्र विशाल सामुदायिक भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत पुष्पवर्षा से सामाजिकगणों द्वारा किया गया। पश्चात् विधिवत् मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ, साथ ही अतिथियों ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करते हुए आगामी 30 वर्षों की आवश्यकता को देखते हुए सामुदायिक भवन का ड्राइंग डिजाईन एक सप्ताह के भीतर कार्य एजेंसी नगर निगम में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।



एक मंच पर दिखी संगठन की ताकत, एकजुटता और कार्यकर्ताओं के उत्साह की झलक, नारायणपुर भाजपा का भव्य दीपावली मिलन

नारायणपुर। दीपों की रोशनी, आत्मीयता की मिठास और संगठन की सामूहिक शक्ति... जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां भाजपा का पूरा परिवार उत्सव के रंग में नजर आया। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री एवं नारायणपुर जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा तथा कैबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप के आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे से मिलकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। समारोह में उत्सव के उल्लास के साथ संगठनात्मक एकजुटता और जनसेवा के संकल्प की भी झलक दिखाई दी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, विश्वास और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का अवसर है। भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका समर्पित कार्यकर्ता है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण ही पार्टी को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केंद्र एवं छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार जनकल्याण, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता विकास की रोशनी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जिसकी नींव सेवा, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम पर टिकी है। कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही जनसेवा का संकल्प धरातल पर साकार होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।



संध्या पवार, रूपसाय सलाम और बृजमोहन देवांगन ने भी किया संबोधित

समारोह को भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती संध्या पवार, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम तथा वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन देवांगन ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय और जनसेवा के संकल्प पर अपने विचार रखे।

नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी एवं मार्कफेड के उपाध्यक्ष सुधीर पांडेय, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, वरिष्ठ भाजपा नेता गौतम गोलछा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बंधुगण उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत : टंकराम वर्मा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, विश्वास और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का अवसर है। भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका समर्पित कार्यकर्ता है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण ही पार्टी को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केंद्र एवं छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार जनकल्याण, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता विकास की रोशनी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जिसकी नींव सेवा, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम पर टिकी है। कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही जनसेवा का संकल्प धरातल पर साकार होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और जनजातीय समाज के उत्थान के साथ नारायणपुर और पूरे बस्तर अंचल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है।

भाजपा की पहचान सत्ता नहीं, सेवा और समर्पण है : केदार कश्यप

कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जिसकी नींव सेवा, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम पर टिकी है। कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही जनसेवा का संकल्प धरातल पर साकार होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और जनजातीय समाज के उत्थान के साथ नारायणपुर और पूरे बस्तर अंचल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ, भक्तिमय हुआ भटगांव

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर पूरा नगर भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वहीं बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा की शोभा बढ़ाई। कलश यात्रा का शुभारंभ नगर स्थित केसरवानी मंगल भवन से हुआ। यात्रा साईं बाबा मंदिर होते हुए एन.डी. वैष्णव हॉस्पिटल के सामने स्थित निज निवास, भटगांव में कथा स्थल तक पहुंची। इस दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए और भगवान के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।



सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का विधिवत शुभारंभ

मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। महिलाओं की विशेष सहभागिता और श्रद्धालुओं के उत्साह ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। कथा स्थल पहुंचने के पश्चात विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। आयोजन के संबंध में आयोजक प्रवेश दुबे ने बताया कि सात दिनों तक चलने वाली इस पावन कथा में प्रयागराज से पधारे परम पूज्य संत श्री श्री 1008 श्री पवन कुमार त्रिपाठी जी महाराज अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक किया जाएगा।

श्री धर्म सेवा समिति नैला के निर्विरोध अध्यक्ष बने राजेश पालीवाल और सचिव बने पवन अग्रवाल



जांजगीर-चांपा। नैला स्थित श्री धर्म सेवा समिति की नई कार्यकारिणी के गठन हेतु आयोजित बैठक में राजेश पालीवाल को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष और पवन अग्रवाल को सचिव चुना गया है। राजेश पालीवाल लगातार पांचवीं बार इस प्रतिष्ठित संस्था के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। समिति के सदस्यों ने सामाजिक और धार्मिक कार्यों में उनके सक्रिय नेतृत्व और समर्पण को देखते हुए पुनः उन पर भरोसा जताया है। चुनाव के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश पालीवाल और सचिव पवन अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी को साथ लेकर समिति के जनहितकारी व सामाजिक कार्यों को और अधिक गति देने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर समिति के सदस्यों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

गोपाष्टमी पर राज्यपाल ने की गौमाता की पूजा-अर्चना, प्रवासी पक्षियों के लिए बर्ड टॉवर का किया लोकार्पण



दुर्ग। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका आज दुर्ग जिले के परसदा गांव स्थित विश्वगीता धेनू गोविंद पक्षी सेवाधाम में गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने गौमाता की पूजा-अर्चना कर चारा खिलाया तथा प्रवासी पक्षियों के लिए बनाए गए बर्ड टॉवर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, धरसीवा विधायक अनुज शर्मा, बसना विधायक सम्पत अग्रवाल और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने सभी लोगों को गोपाष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज भगवान श्रीकृष्ण और गौमाता के दर्शन का सौभाग्य मिला। साथ ही बर्ड टावर के लोकार्पण का अवसर भी प्राप्त हुआ। यह आयोजन हमें जीवों के प्रति दया, सेवा और प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप और गौमाता के प्रति हमारी श्रद्धा का पर्व है। भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान है। लेकिन गौसेवा केवल पूजा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बीमार, घायल, वृद्ध और बेसहारा गौवंश की देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

सेवा सेतु पोर्टल से तन्मय यादव को 15 दिवस में मिला स्थायी जाति प्रमाण पत्र

जांजगीर-चांपा। शासन द्वारा नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सहज एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में अकलतरा तहसील अंतर्गत ग्राम कोटमी सोनार निवासी तन्मय यादव ने अपने आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय अकलतरा स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया था। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें मात्र 15 दिवस के भीतर स्थायी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्हें प्रमाण पत्र की पीडीएफ कॉपी सीधे व्हाट्सऐप के माध्यम से तथा हार्ड कॉपी शीघ्र ही उपलब्ध कराई गई। तन्मय यादव ने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। परिवार के एक सदस्य का जाति प्रमाण पत्र बनने के बाद अन्य सदस्यों को भी उसी आधार पर प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा का लाभ मिला।

रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण को लेकर जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में जल प्रदाय का सर्वसम्मति से निर्णय



सक्ती। नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत के जिला विधायक प्रतिनिधि गुलजार सिंह ठाकुर जिला जल उपयोगिता समिति बैठक में नहर से पानी छोड़े जाने को लेकर राखे गए बैठक में हुए शामिल जांजगीर-चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, विधायक पामगढ़ शेषराज हरबंश, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू, पूर्व विधायक केशव चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, गुलजार सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष गोस्वामी, कन्हैया राठौर, दुष्यंत सिंह, संदीप तिवारी, शिव तिवारी, शैलेन्द्र पांडेय, कार्यपालन अधियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर शंशाक सिंह, उप संचालक कृषि राकेश शर्मा, कृषकगण सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर द्वारा बांध में 78 प्रतिशत उपलब्ध जलभराव की जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बैठक में हसदेव दांयी तट एवं बांयी तट प्रणाली में 05 जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक कृषकों के मांग के अनुरूप पानी प्रवाहित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही संबंधित अभियंताओं को निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण कराने के कहा गया है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कृषि, सहकारी बैंक, मार्कफेड, बीज निगम में अधिकारियों को खाद बीज एवं कीटनाशक की आवश्यकता का तत्काल आंकलन कर आवश्यकता के अनुरूप भंडारण करने तथा समय पर किसानों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने बांध में जल उपलब्धता एवं नहरों की स्थिति के अनुरूप मैदानी अमलों को कृषको के साथ संयुक्त रूप से चर्चा कर रबी क्षेत्र का निर्धारण करने के निर्देश दिये गये है।

संबंधित अधिकारियों को मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के दिए निर्देश

समय-सीमा बैठक में धान खरीदी, सड़क मरम्मत और लंबित प्रकरणों की समीक्षा

- **धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करने, अवैध धान पर सख्त कार्रवाई और सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश**

सारंगढ़-बिलाईगढ। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों, सड़क मरम्मत, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों और लंबित प्रकरणों सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए आम नागरिकों और किसानों से जुड़े मामलों में तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं और तैयारियों का जायजा लेने पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जांच करने तथा निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध धान के परिवहन और भंडारण पर प्रभावी निगरानी रखते हुए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने को कहा।सारंगढ़ से बलौदाबाजार मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग की खराब स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति के कारण आवागमन में होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों और विभिन्न विभागों में लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।



विद्यार्थियों की आवागमन सुविधा पर चर्चा

आपदा मद आरबीसी 6-4 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के संबंध में कलेक्टर ने संबंधित स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्र प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार सहायता राशि जल्द जारी की जाए। विद्यार्थियों की आवागमन सुविधा पर चर्चा करते हुए उन्होंने सारंगढ़ के गणचौक से बस स्टैंड तक ई-रिक्शा संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को आने-जाने में सुविधा मिल सके।

बैंकर्स एवं बिहान कैडर्स के बीच बेहतर समन्वय से सशक्त होंगे स्वयं सहायता समूह

जिला पंचायत में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

बैंक लिंकेज, वित्तीय समावेशन एवं आईईएलए की कार्यप्रणाली पर दिया गया प्रशिक्षण



मुंगेली। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ गाकुल रावटे के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य बैंकर्स एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कैडर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना रहा। कार्यशाला में एनआरपी गगन बिहारी भुइया, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, एनआरएलएम के अधिकारी एवं कैडर्स उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की गतिविधियों, स्वयं सहायता समूहों की बैंक लिंकेज प्रक्रिया तथा आईईएलए से संबंधित प्रावधानों एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को वित्तीय समावेशन, बैंक लिंकेज की प्रक्रिया और आईईएलए से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही स्वयं सहायता समूहों की वित्तीय आवश्यकताओं, बैंकिंग सेवाओं तक उनकी पहुंच तथा मिशन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने में बैंकर्स एवं कैडर्स की भूमिका को समझाया गया। कार्यशाला के दौरान प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान किया गया। विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल एवं प्रभावी बनाने तथा स्वयं सहायता समूहों को समय पर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं।

इस अवसर पर बैंकर्स एवं एनआरएलएम कैडर्स के बीच आपसी समन्वय को मजबूत बनाने, बैंक लिंकेज प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समझने तथा स्वयं सहायता समूहों को अधिक प्रभावी ढंग से वित्तीय सेवाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने, उनकी बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

जनजातीय गौरव दिवस: जिले के छात्रावासों एवं आश्रमों में हुई पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता



मुंगेली। जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आदिवासी विकास विभाग द्वारा जिले में जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, गौरवशाली इतिहास एवं महापुरुषों के योगदान के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा संचालित जिले के सभी 37 छात्रावासों एवं आश्रमों में पेंटिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने जनजातीय जीवनशैली, लोककला, संस्कृति, परंपराओं एवं प्रकृति से जुड़ाव को रंगों के माध्यम से उकेरा। वहीं निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान, जनजातीय महापुरुषों के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति की भावना विकसित करना है।

26 नवंबर को रोजगार मेला, 90 पदों पर होगी भर्ती

10वीं, 12वीं एवं आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

मुंगेली। जिले के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र मुंगेली द्वारा 26 नवंबर 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज परिसर, ग्राम जमकोर में सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में दो निजी कंपनियों द्वारा कुल 90 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें फील्ड ऑफिसर के 60 पदों पर 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीटर टेक्नीशियन के 30 पदों पर 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों के लिए जिला रोजगार कार्यालय का पंजीयन कार्ड लाना अनिवार्य है। इच्छुक युवा रोजगार मेले एवं भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार विभाग की वेबसाइट https://www.erojgar.cg.gov.in/ ई-रोजगार सीजी ऐप अथवा जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जमकोर से संपर्क कर सकते हैं।

धान उपार्जन केंद्र करूपान में पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी का किया गया शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों ने किसानों का किया स्वागत, शासन की समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्था से किसानों में उत्साह



मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो गया है। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के मार्गदर्शन में जिले के 113 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। इसी कड़ी में जिले के धान उपार्जन केंद्र करूपान में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किसानों का स्वागत कर धान खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। धान खरीदी के शुभारंभ से क्षेत्र के किसानों में उत्साह का माहौल रहा। किसानों ने शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर सहित जनपद सदस्य एवं समिति अध्यक्ष श्रीमती मंदाकिनी हुपेश साहू, नारायण जायसवाल, सरपंच श्रीमती राजेश्वरी रामकुमार मोहले, पूर्व जनपद सदस्य रामकुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। उपस्थित अतिथियों ने किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित खरीदी प्रक्रिया बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर समिति प्रबंधक एवं धान खरीदी प्रभारी राजेश मिश्रा, बारदाना प्रभारी महेंद्र यादव साहू, ऑपरेटर दिलेश्वर साहू तथा बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



राजेंद्र पार्क में उमड़ी श्रद्धालु महिलाओं की भीड़, आंवले के वृक्ष की पूजा कर मांगी सुख-समृद्धि





दुर्ग/भिलाई । कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी यानी 'आंवला नवमी' का पावन पर्व आज पूरे देश के साथ-साथ दुर्ग जिले में भी बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर दुर्ग के ऐतिहासिक राजेंद्र पार्क में सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं का तांता लगा हुआ है। महिलाओं ने विधि-विधान से आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और खुशहाली की कामना की।महिलाओं ने आंवले के वृक्ष को जल अर्पित किया, हल्दी-कुमकुम और अक्षत से तिलक लगाया और पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत या मौली लपेटते हुए परिक्रमा की। धार्मिक मान्यता है कि आंवला नवमी के दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति का वास होता है।

पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने आंवला नवमी की व्रत कथा सुनी और वृक्ष की छांव में बैठकर पारंपरिक भोजन और प्रसाद ग्रहण किया। पार्क परिसर में सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा।आस्था, परंपरा और प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला यह पर्व दुर्ग शहर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मान्यता है कि आज के दिन किया गया दान और पूजन कभी नष्ट नहीं होता, यही कारण है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आंवले के पेड़ की पूजा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

लोकतंत्र बचाने सड़क पर उतरी कांग्रेस, रामचंद गिंडलानी बोले—जनआंदोलन रुकेगा नहीं

जन-चौपाल में रामचंद गिंडलानी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, बोले—ज्ञानेश कुमार को हटाए बिना नहीं थमेगा आंदोलन



तिल्दा-नेवरा। देशभर में कांग्रेस पार्टी द्वारा कथित वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन के तहत तिल्दा-नेवरा में मंडल स्तरीय जन-चौपाल का आयोजन किया गया। ÷लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ÷ के नारे के साथ आयोजित इस जन-चौपाल में कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जन-जागरण अभियान जारी रखने का संकल्प लिया।नेवरा मंडल में शीतला माता मंदिर के समीप मैदान में आयोजित जन-चौपाल की शुरुआत माता शीतला एवं हर-हर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और जयकारों के साथ हुई। कार्यक्रम में पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी एवं छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रामचंद गिंडलानी ने प्रमुख रूप से अपनी बात रखी।रामचंद गिंडलानी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल जन-चौपाल में पूर्व अध्यक्ष रामचंद गिंडलानी ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और विभिन्न चुनावों में कथित धांधली के उदाहरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता को जागरूक होना और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना जरूरी है।गिंडलानी ने अपने संबोधन में कहा कि ÷जब तक ज्ञानेश कुमार को हटाया नहीं जाता, तब तक जनआंदोलन थमने वाला नहीं है। युवा पीढ़ी और जेन-जी भी लोकतंत्र के सवाल पर अपनी आवाज बुलंद कर रही है।÷ उनके वक्तव्य ने जन-चौपाल में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच आंदोलन को लेकर उत्साह बढ़ाया।एसआईआर के बहाने मतदाताओं के नाम काटने का आरोपकांग्रेस मंडल अध्यक्ष विजय हरिरामानी ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया के बहाने ऐसे मतदाताओं की पहचान की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण मंडल की अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर के क्षमता विस्तार के लिए आयोजित जनसुनवाई सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में सफलता पूर्वक सम्पन्न

खरोरा तिल्दा : पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा जिले के तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम रायखेड़ा स्थित अदाणी पॉवर लिमिटेड (एपील) के प्रस्तावित 1600 मेगावाट के क्षमता विस्तार के लिए बुधवार को आयोजित जनसुनवाई सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गई। कलेक्टर रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के पर्यावरण स्वीकृति के आदेश के लिए जनसुनवाई 18 नवम्बर 2026 को प्रात: 11:00 बजे से ग्राम ताराशिव स्थित शासकीय मैदान में आयोजित की गई। जिसमें पीठासीन अधिकारी के रूप में रायपुर के अतिरिक्त कलेक्टर यू एस बांधे, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, क्षेत्रीय अधिकारी पी के रबड़े उपस्थित रहे। इसके अलावा तिल्दा ब्लॉक के एसडीएम मुकेश कोठारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र चतुर्वेदी सहित तहसीलदार रामप्रसाद बघेल एवं सृजन सोनकर व अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद थे। अदाणी पॉवर लिमिटेड से पर्यावरण विभाग प्रमुख आर एन शुक्ला ने केपील परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जनसुनवाई लगभग 2.30 घंटे तक चली। जिसमें तिल्दा ब्लॉक के ग्राम रायखेड़ा, गैतरा एवं सोनतरा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान पीठासीन अधिकारी श्री बाँधे ने सभा में ग्रामीणों द्वारा मुख्यरूप से क्षेत्र के विकास, नौकरी और स्वरोजगार के लिए उचित प्रबंधन सहित कई बातों तथा सुझावों को बड़े ही ध्यानपूर्वक सुनी। जनसुनवाई में कुछ ग्रामीणों ने विरोध भी किया किन्तु समर्थन में ज्यादा लोगों ने अपनी बात रखी।

इस तरह लोक सुनवाई में पधारे 90 फीसदी लोगों ने अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर के 800 मेगावाट की दो इकाईयों के क्षमता विस्तार का समर्थन किया। लोक सुनवाई में उपस्थित सरपंचों में ग्राम रायखेड़ा के सरपंच दिनेश वर्मा, ग्राम गैतरा के सरपंच प्रतिनिधि श्री शेखर चंद्रवंशी, ग्राम पंचायत चिचोली के सरपंच प्रतिनिधि राम निवास ध्रुव, उपसरपंच राजकुमार बंजारे, ताराशिव के सरपंच मनीष वर्मा, सोनतरा के सरपंच समीर वर्मा सहित कई गणमान्य नागरिकों में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज के राज प्रधान ठाकुर राम वर्मा एवं हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने समर्थन में अपनी बात रखी। इसके अलावा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के ब्लॉक अध्यक्ष एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष राजू शर्मा, तहसील अंतर्गत सतनामी समाज के अध्यक्ष सचिन मनहरे, राहुल डहरिया, सरपंच संघ अध्यक्ष मिथलेश साहू, सहित भाजपा युवा मोर्चा ब्लॉक तिल्दा के अध्यक्ष दीपक वर्मा, खरोरा नगर पालिक अध्यक्ष अनिल सोनी व सदस्य श्रीमती महेंद्र शैलेश साहू सहित कई विशिष्ट सदस्यों ने भी संयंत्र के क्षमता विस्तार में अपना समर्थन प्रदान किया।

पूर्व जनपद अध्यक्ष देव्रत नायक ने एपील संयंत्र के विस्तारण से क्षेत्र में विकास के नए आयाम खुलने के साथ ही हजारों लोगों को नई नौकरियां मिलने की संभावनाएं और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होने की उम्मीद जताते हुए अपनी सहमति प्रदान करने की बात कही। जनपद सदस्य मोरेंगा लेखु सेन, छत्तीसगढ़ प्रदेश श्रमिक एवं किसान संघ के अध्यक्ष कमाल बाँधे, तथा ब्लॉक खरोरा के अध्यक्ष किरण बैगल, तुलेसवारी नारंग ने भी अपना समर्थन प्रददान किया।

ग्राम रायखेड़ा की एक महिला ग्रामीण श्रीमती पूनम वर्मा ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि, अदाणी पॉवर लिमिटेड के आने से हमारे गाँव में विकास के कई कार्य बड़ी ही तेज गति से संचालित हो रहे हैं। गांवों की सड़कें अब सोलर लाइट से जगमगाने लगी हैं। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी शाला विकास के साथ साथ विद्यार्थियों को बैग सहित कापी, जेमेट्री बॉक्स इत्यादि भी बाँटे गए। जिसमें सभी आसपास के गांव इनकी सभी कार्यक्रमों से लाभान्वित हैं। इसलिए मैं अदाणी पॉवर लिमिटेड के संयंत्र विस्तारण का समर्थन करती हूँ।

सभा में ग्राम सोनतारा निवासी श्रीमती एकता साहू ने कहा कि, जब से अदाणी पॉवर लिमिटेड हमारे गांव में आया है तब से हमारे गांव में विकास की लहर उठ गई है। यहां अब गांव की सड़कों में अब उजाला पसर गया है। वहीं हमें पीने के लिए अब शुद्ध पानी मिलने लगा है। अदाणी फाउंडेशन की सामाजिक सहभागिता के कार्यों से सभी पास के ग्रामों में भी स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका के कार्ये से लोगों का समुचित विकास हो रहा है। इसलिए मैं हमारे गांव तथा क्षेत्र में अदाणी पॉवर लिमिटेड के विस्तारण का समर्थन करती हूँ।

उल्लेखनीय है कि अदाणी पॉवर लिमिटेड की रायपुर जिले के तिल्दा तहसील में स्थित अदाणी पावर लिमिटेड में सुपर क्रिटिकल तकनीक की 685 मेगावाट की दो इकाइयां अर्थात कुल 1370 मेगावाट की क्षमता विगत पंद्रह सालों से संचालित है। जिसके सामाजिक सराकारों के तहत आसपास के करीब 25000 से अधिक जनसंख्या वाले 14 से अधिक ग्रामों में अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका उन्नयन और ढांचागत विकास के कई कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। जन सुनवाई के सफल होने पर उपस्थित लोगों ने खुशी जाहीर की। जन सुनवाई के अंत में अदाणी पॉवर लिमिटेड के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रामायण पेड़ेना ने जनसुनवाई में पधारे सभी ग्रामीणों को कंपनी के सामाजिक सरोकारों के माध्यम से हर तरफविकासात्मक कार्य कराने की अपनी प्रतिबद्धता की बात कही तथा उपस्थित सभी ग्रामीणजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, हितधारकों, मीडिया तथा जनसुनवाई के आयोजन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित कर आभार जताया।

फिल्म वाराणसी की शूटिंग पूरी

पोस्ट-प्रोडक्शन जारी | डबिंग बाकी

फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली की अपकमिंग मोस्ट अवेटेड फिल्म वाराणसी दर्शकों और फैंस के बीच लगातार जगह बनाए हुए है। तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, यह जानकारी हाल ही में मेकर्स द्वारा साझा की गई है। हालांकि, फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन, जिसमें कंप्यूटर ग्राफिक्स (सीजी) और बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार करने का काम शामिल है, अभी भी तेजी से चल रहा है। मेकर्स ने यह भी स्पष्ट किया है कि फिल्म की डबिंग अभी शुरू नहीं हुई है। यह अहम अपडेट फिल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए दी। यह फिल्म अपनी दमदार स्टार कास्ट और दिलचस्प कहानी को लेकर रिलीज से पहले ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।



दरअसल, एक फैन ने फिल्म के आधिकारिक एक्स हैंडल पर वाराणसी की मौजूदा स्थिति को लेकर सवाल पूछा था। इसके जवाब में मेकर्स ने लिखा, शूटिंग पूरी हो गई है। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। सीजी पर काम हो रहा है और री-रिकॉर्डिंग भी जारी है। डबिंग शुरू करनी है। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा, अगर आपको लगता है कि यह अपडेट है तो यह अपडेट है। अगर नहीं तो धमाके के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। इससे पहले, फिल्म के निर्माता एसएस कार्तिकेय ने इसी साल सितंबर में बताया था कि फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन तेजी से चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि अगले साल जनवरी तक यह काम पूरा हो जाएगा। वाराणसी में महेश बाबू के साथ-साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जॉन अब्राहम की 'गुरु' में हुई इस एक्ट्रेस की ENTRY



बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम फिल्मों की दुनिया में लगातार धमाल मचा रहे हैं। पर्दे पर अपनी बेहतरीन एक्टिंग और शानदार एक्शन अंदाज से दर्शकों का दिल जीतते रहते हैं। जॉन लगातार एक के बाद एक बेहतरीन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। यही वजह है कि उनके फैन्स हमेशा उनकी आने वाली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। फिलहाल उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं, जिनकी शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। हाल ही में जॉन अब्राहम अपनी एक नई अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। डायरेक्टर रिभु दासगुप्ता की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'गुरु' में एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है। दरअसल जॉन अब्राहम की फिल्म 'गुरु' पर फिलहाल काम शुरू कर दिया गया है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी खबरें सामने आते ही उनके फैन्स बेहद खुश हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में जॉन के साथ निकिता दत्ता और दानिश पंडोर भी दिखने वाले हैं। एक थ्रिलर जॉनर की फिल्म होने के नाते इस प्रोजेक्ट से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

'मातृभूमि' की रिलीज से पहले सलमान खान का बड़ा सरप्राइज



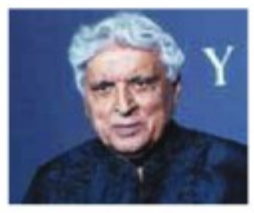
बड़े पर्दे पर सलमान खान की दमदार वापसी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी मच-अवेटेड फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। लंबे वक्त से यह फिल्म किसी न किसी वजह से अटकी हुई थी। ऐसे में अब इसकी रिलीज को लेकर खुद सलमान खान भी काफी एक्साइटेड है। इसी खुशी के बीच भाईजान ने अपनी फिल्म की टीम को शानदार गिफ्ट दिया है जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। सलमान खान हमेशा अपनी दरियादिली दिखाने के लिए जाने जाते हैं। 12 नवंबर को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ। जिसके दो दिन बाद सलमान ने 'मातृभूमि' की पूरी टीम के लिए अपने पनवेल फार्महाउस पर एक खास गेट-टुगेदर रखा। टीम के लोगों को पहले यह बताया गया था कि यह मीटिंग फिल्म के प्रमोशन की प्लानिंग के लिए है। लेकिन जब सब वहां पहुंचे, तो कोई मीटिंग नहीं थी। बल्कि एक सरप्राइज पार्टी और महंगे गिफ्ट उनका इंतजार कर रहे थे रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान ने मातृभूमि की कास्ट और क्रू के करीब 20 से 25 लोगों को गिफ्ट दिए हैं। जिसमें महंगी स्विस की लग्जरी वॉच हैं। इन घड़ियों की कीमत 2 लाख रुपए से लेकर 6 लाख रुपए तक बताई जा रही है। भाईजान ने लड़कों और महिलाओं के लिए अलग-अलग ब्रांड्स चुने थे। जहां टीम के मेल मेंबर्स को लॉन्गिंस और टैग ह्यूर की घड़ियां दी गईं। जबकि महिला सदस्यों को राडो की घड़ियां गिफ्ट में मिलीं।

'राम हर भारतीय के खून में हैं',

जावेद अख्तर ने बताई राम की अहमियत

दिग्गज गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने मंगलवार को भगवान राम की प्रशंसा करते हुए कहा कि राम एक पूजनीय व्यक्तित्व हैं, जिनका महत्व किसी धर्म की सीमाओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के बारे में अच्छी बातें सुनी हैं, लेकिन अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है। इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी (IPRS) की म्यूजिक क्रिएटर रिपोर्ट के लॉन्च के मौके पर जावेद अख्तर ने बताया कि उनकी बेटी और फिल्ममेकर जोया अख्तर फिल्म देख चुकी हैं और उन्होंने इसकी काफी तारीफ की है।

जावेद अख्तर ने अभी तक नहीं देखी 'रामायण'



जावेद अख्तर ने कहा, 'मैंने अभी तक फिल्म नहीं देखी है। मेरी बेटी जोया ने इसे देखा है और वह इसकी तारीफ कर रही थी। वह किसी चीज की तारीफ बहुत मुश्किल से करती है। मैंने तो अभी तक उसे अपनी तारीफ करते हुए भी नहीं सुना है।'

'रामायण' के म्यूजिक पर जावेद अख्तर ने क्या कहा

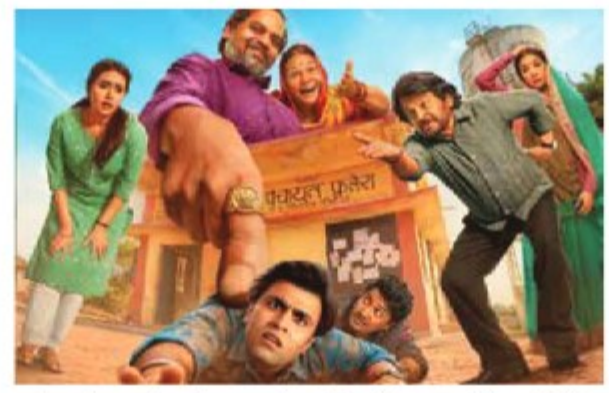
"जब उनसे पूछा गया कि उनके लिखे गाने के बोल लोगों के दिलों को छू जाते हैं, जबकि 'रामायण' का म्यूजिक वैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाया है तो उन्होंने कहा, 'इसकी सीधी सी वजह है कि मैं एक अच्छा लेखक हूं। शुरुआत यहीं से करते हैं। इसलिए मेरी लिखी लाइन लोगों के दिलों को छू जाती है।' जावेद अख्तर के लिखे कई लोकप्रिय गानों में से एक 'स्वदेश' फिल्म का गाना 'पल पल है भारी' आज भी काफी पसंद किया जाता है। इस गाने की एक मशहूर लाइन है, 'मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में हैं।'

फुलेरा में बदलेगा सत्ता का खेल

बनराकस के हाथ में होगी सचिव जी की कमान

ओटीटी की सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज में शामिल 'पंचायत' के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। फुलेरा गांव की राजनीति, आपसी खींचतान और मजेदार किस्सों के साथ सचिव जी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। मेकर्स ने 'पंचायत' के पांचवें सीजन की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। जितेंद्र कुमार स्टारर इस सीरीज का प्रीमियर 3 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। नए सीजन में इस बार फुलेरा की सत्ता का समीकरण बदला हुआ नजर आएगा, जिससे कहानी में नए विवाद और दिलचस्प मोड़ आने की उम्मीद है।

'पंचायत 5' की घोषणा के साथ ही सीरीज की कहानी को लेकर भी अहम संकेत मिले हैं। इस बार



फुलेरा को नया मुखिया मिल चुका है और बनराकस की भूमिका कहानी में पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है। अब तक गांव की राजनीति में अलग-अलग तरह से दखल देने वाला बनराकस इस बार प्रधानपति की भूमिका में दिखाई देगा। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि सत्ता मिलने के बाद उसकी राजनीति किस दिशा में जाएगी। क्या बनराकस गांव की व्यवस्था में बदलाव ला पाएगा या फिर उसके वादे भी राजनीति के पुराने तौर-तरीकों तक ही सीमित रहेंगे? नए प्रधानपति के आने से गांव में पुराने समीकरण बिगड़ने और नए राजनीतिक टकराव पैदा होने की संभावना है। सचिव जी और गांव के दूसरे लोगों के सामने भी नई परिस्थितियां होंगी। हालांकि कहानी के बाकी घटनाक्रम को लेकर मेकर्स ने फिलहाल ज्यादा खुलासा नहीं किया है। सीरीज के पांचवें सीजन में दर्शकों को एक बार फिर इसके लोकप्रिय कलाकार अपने पुराने किरदारों में नजर आएंगे। जितेंद्र कुमार अभिषेक त्रिपाठी यानी सचिव जी के रूप में वापसी करेंगे। उनके साथ रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, सुनीता राजवर, फैसल मलिक, चंदन रॉय, संविका, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। पिछले चार सीजन में इन कलाकारों ने फुलेरा के आम लोगों की जिंदगी, उनके रिश्तों और गांव की राजनीति को जिस अंदाज में पर्दे पर उतारा है।

गोविंदा से अनबन के बीच सुनीता आहूजा का बदला अंदाज



बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के रिश्तों में चल रही तल्खियों की खबरें पिछले काफी समय से चर्चा में हैं। दोनों के बीच अनबन को लेकर आए दिन तरह-तरह की बातें सामने आती रहती हैं। हालांकि, इन सबके बीच सुनीता आहूजा अपने अंदाज और बेबाक अंदाज-ए-बयां से लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बार चर्चा की वजह उनका कोई बयान नहीं, बल्कि उनका बदला हुआ लुक है। सुनीता की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए सूझबूझ दिखाकर काम में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में आपकी खूब रुचि रहेगी और लोग भी काम में आपकी मदद करेंगे। यदि आपको किसी काम को लेकर समस्या आ रही थी, तो वह पिताजी की मदद से दूर होगी। जल्दबाजी में किसी से कोई वादा न करें, नहीं तो उसे पूरा करने में समस्या होगी।

वृषभ राशि - आज के दिन आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। संतान से कोई गलती होने की संभावना है, इसलिए उनकी संगति की ओर विशेष ध्यान दें। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को परिवार के सदस्यों से मिलवा सकते हैं। बिजनेस में यदि साझेदारी में कोई काम कर रहे हैं, तो पार्टनर से धोखा मिलने की आशंका है, सतर्क रहें।

मिथुन राशि - आज आप कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर अपने बॉस से बहसबाजी में न पड़ें, नहीं तो इसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ सकता है। अत्यधिक तले-भुने भोजन से परहेज रखना फायदेमंद रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों के काम की वाहवाही होगी और किसी अच्छे पद की प्राप्ति हो सकती है। आवश्यक काम को लेकर भाइयों से मदद लेनी पड़ सकती है।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन भरा रहेगा। संतान के करियर में आ रही समस्याओं को लेकर कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। किसी काम के सिलसिले में घर से दूर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में कोई बदलाव करने के लिए भी सोच-विचार करेंगे। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। जीवनसाथी की किसी आदत को लेकर परेशान रह सकते हैं, जो आपसी विवाद की वजह बन सकती है। भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। योग व व्यायाम को अपनी दिनचर्या में अपनाकर बीमारियों से मुक्त रह सकते हैं। आपकी कोई बात परिवार के किसी सदस्य को बुरी लग सकती है।

कन्या राशि - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। फिर भी आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। कुछ मौसमी बीमारियां अपनी चपेट में ले सकती हैं, जिनके कारण थोड़ा परेशान रहेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। लेन-देन से संबंधित किसी योजना में बहुत सावधानी बरतनी होगी और किसी को धन उधार देने से बचें। वाहन चलाने में सावधानी बरतें। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश करेगी, जिसे पूरा करने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन आप उसे पूरा कर पाएंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों के कामों में कुछ कमियां आ सकती हैं।

वृश्चिक राशि - आज आपको किसी काम को पूरा करने में समस्या आ सकती है। संतान की ओर से कोई निराशाजनक सूचना मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई गलती करने से बचें, नहीं तो इसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ सकता है। परिवार में चल रही आजाद सिरदर्द बन सकती है, जिसे मिल-बैठकर दूर करना बेहतर रहेगा। आसपास रह रहे शत्रुओं से सावधान रहना होगा।

धनु राशि- आज का दिन जल्दबाजी में किसी काम को करने से बचने के लिए रहेगा। यदि काम में जल्दबाजी दिखाई, तो नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में बॉस को दी गई आपकी कोई सलाह उन्हें खूब पसंद आएगी। काम में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। विदेश जाने की योजना बना सकते हैं।

मकर राशि - मकर राशि के जातक अपनी आय और व्यय में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे। किसी काम में मन नहीं लगेगा और मन में उथल-पुथल बनी रहेगी, लेकिन आय बढ़ाने के प्रयासों में तेजी लानी होगी। विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। संतान पक्ष की ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए-नए मार्ग खोलेगा। आप अपने कामों में तेजी से आगे बढ़ेंगे और बिजनेस में चल रही समस्याओं से भी निजात मिलेगी। किसी वाहन की खरीदारी की प्लानिंग कर सकते हैं। मित्रों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती में व्यतीत करेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से सराबोर रहेगा और आप फूले नहीं समाएंगे, क्योंकि संतान को किसी अच्छी नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर में ऊंचाइयों को छुएंगे। मन में अहंकार न रखें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। किसी काम के चलते अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक रहेगी। सहयोगियों से मदद मांगेंगे, तो आसानी से मिल जाएगी।

देव दीपावली पर भूलकर भी न करें इन चीजों का दान!

कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि पर हर साल बहुत ही धूमधाम के साथ देव दीपावली का पावन पर्व मनाया जाता है, जब चारों तरफ दीपों की रोशनी दिखाई देती है. इस साल देव दीपावली का ये भव्य उत्सव 24 नवंबर 2026 को पूरे देश और विशेषकर काशी की धरती पर बहुत ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है. सनातन धर्म में इस दिन का बहुत बड़ा महत्व माना गया है क्योंकि शास्त्रों के अनुसार इस पावन तिथि पर किया गया दान सौ गुना अधिक फल प्रदान करता है. इस खास अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान करने और जरूरतमंद लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार अन्न तथा वस्त्र दान करने की बहुत पुरानी परंपरा चली आ रही है. आइए विस्तार से जानते हैं कि इस दिन किन चीजों का दान करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है.



देव दीपावली पर पवित्र स्नान का विधान

कार्तिक पूर्णिमा की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में किसी पवित्र नदी विशेषकर गंगा में स्नान करने से जन्म-जन्मांतर के सारे पाप धुल जाते हैं और तन-मन की पूरी शुद्धि हो जाती है। यदि किसी कारणवश नदी के तट पर जाना संभव न हो पाए, तो इंसान को घर में ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर लेना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस पवित्र जल से स्नान करने से भी वही पूरा पुण्य प्राप्त होता है जो किसी तीर्थ स्थल पर जाकर स्नान करने से मिलता है। स्नान करने के बाद साफ वस्त्र पहनकर भगवान का ध्यान करना चाहिए और अपनी क्षमता के अनुसार ब्राह्मणों या गरीबों को दान देना चाहिए। इस तरह से सुबह का यह पावन अनुष्ठान हमारे पूरे दिन को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान करने के पश्चात अपनी सामर्थ्य के अनुसार गेहूं, चावल, दाल, गुड़ और तिल का दान करने से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है और माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। इस समय सर्दी की शुरुआत हो चुकी होती है, इसलिए गरीबों और जरूरतमंदों को ऊनी कपड़े, कंबल या स्वच्छ वस्त्र दान करने से कुंडली में शनि और राहु के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। इसके अलावा शुद्ध घी या तिल के तेल का दान करने से इंसान को आरोग्य की प्राप्ति होती है और जीवन की सभी बड़ी बाधाएं दूर हो जाती हैं। दूध, दही, शहद, सिंघाड़ा, आंवला और केले का दान करने से कुंडली का चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह भी मजबूत होता है, जिससे जीवन में सुख और समृद्धि आती है।

देव दीपावली की रात दीपदान करने की पौराणिक परंपरा

ऐसी बहुत पुरानी मान्यता चली आ रही है कि देव दीपावली की रात स्वयं देवता पृथ्वी पर विशेषकर काशी के घाटों पर उतरकर दीप जलाते हैं। इस खास दिन नदी के तट, मंदिर, तुलसी के पौधे, पीपल के वृक्ष और घर के मुख्य द्वार पर घी या तिल के तेल के दीपक जलाने से जीवन का सारा अंधकार मिट जाता है। ऐसा करने से इंसान के मन से अकाल मृत्यु का भय हमेशा के लिए दूर हो जाता है और हमारे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

जो भी व्यक्ति सच्चे मन से इस पावन रात को दीपदान करता है, उसके घर-परिवार में हमेशा सुख-शांति और सकारात्मकता का वास रहता है। भगवान शिव और माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए यह दीपदान बहुत ही अचूक और फलदायी माना जाता है जिससे जीवन की हर परेशानी दूर हो जाती है।

हर बर्थडे केक के साथ क्या आप खाते हैं मुंह के बैक्टीरिया?

बर्थडे पार्टी में केक काटने से पहले मोमबत्तियां बुझाना एक आम परंपरा है। केक सामने आते ही सभी लोग हैप्पी बर्थडे गाने लगते हैं और जन्मदिन मनाने वाला व्यक्ति एक सांस में सारी मोमबत्तियां बुझा देता है। इसके बाद केक काटा जाता है और सभी को बड़े चाव से परोसा जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मोमबत्तियां बुझाते समय मुंह से निकलने वाले बैक्टीरिया भी केक पर पहुंच सकते हैं? यानी जिस केक को आप बड़े शौक से खा रहे हैं, उस पर जन्मदिन मनाने वाले व्यक्ति के मुंह के बैक्टीरिया भी हो सकते हैं! सुनने में ये थोड़ा अजीब और चौंकाने वाला लग सकता है, लेकिन साल 2017 में क्लेमसन यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी में इस बात की जांच की गई थी। इस वक्त इसकी चर्चा दोबारा तब शुरू हुई जब सोशल मीडिया पर इसका जिक्र किया जाने लगा है।



मोमबत्ती बुझाते ही केक पर पहुंचते हैं बैक्टीरिया

जब कोई व्यक्ति मुंह से जोर लगाकर मोमबत्तियां बुझाता है, तो उसके मुंह और सांस के साथ निकलने वाली छोटी-छोटी बूंदें हवा में फैलती हैं। ये बूंदें केक की सतह पर भी गिर सकती हैं। इन बूंदों में मुंह में मौजूद बैक्टीरिया हो सकते हैं। 2017 में क्लेमसन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इसी बात को समझने के लिए एक एक्सपेरिमेंट किया था। इसमें केक जैसी सतह पर मोमबत्तियां लगाकर उन्हें बुझाने के बाद बैक्टीरिया की मात्रा जांची गई।

फूंक मारने के बाद 14 गुना बढ़े बैक्टीरिया

रिसर्च में पाया गया कि मोमबत्तियां बुझाने के बाद केक की आइसिंग पर बैक्टीरिया की मात्रा औसतन करीब 1,400 फीसदी तक बढ़ गई। यानी पहले के मुकाबले लगभग 14 गुना ज्यादा बैक्टीरिया पाए गए। स्टडी के लेखक पॉल डॉसन ने बताया था कि उनके मुताबिक, ये कोई बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम नहीं है। साथ ही उन्होंने ये भी क्लियर किया था कि हमारे मुंह में बैक्टीरिया भरे होते हैं, जिनमें से ज्यादातर नुकसानदायक नहीं होते।

कैसे केक तक पहुंचते हैं मुंह के बैक्टीरिया?

हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। इनमें से ज्यादातर सामान्य होते हैं और शरीर के प्राकृतिक माइक्रोबायोम का हिस्सा हैं। जब हम बोलते, खांसते, छींकते या जोर से सांस छोड़ते हैं, तो मुंह से निकलने वाली छोटी बूंदें आसपास फैल सकती हैं। मोमबत्तियां बुझाते समय भी यही होता है, फूंक मारने के दौरान ये सीधे केक पर गिर सकती हैं, हालांकि केक की ऊपर वाली परत क्रीम या आइसिंग से बनी होती है, इसलिए उस पर ये बूंदें आसानी से चिपक सकती हैं।

सर्दियों में बनाएं आंवला और करीपत्ता की स्वादिष्ट-हेल्दी पोडी

महीने भर नहीं होगी खराब!

पोडी एक ड्राई चटनी होती है जो साउथ इंडिया की रेसिपी है। इससे अलग-अलग तरीकों से बनाया जाता है। सर्दी के मौसम में आंवला, करीपत्ता की पोडी बनाना बेस्ट रहेगा। आंवला सर्दियों का सीजनल फल होता है। इसी के साथ विटामिन सी से भी भरपूर है। इसलिए ये आपकी सेहत के लिए ठंड में भी फायदा करता है। करीपत्ता पोषक तत्वों से भरपूर होता है और हर मौसम में फायदेमंद माना जाता है। पोडी में मूंगफली का इस्तेमाल भी होगा। प्रोटीन से भरपूर ये नट्स भी सर्दी में फायदेमंद है।



सबसे पहले सारे आंवला को कद्दूकस कर लें और पूरी तरह सूखने के लिए फैला दें। समय हो तो आप आंवला को 1-2 दिन धूप में सुखा सकते हैं। करी पत्तों को धो लें और पूरी तरह सुखा लें।

इसके लिए एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें और पत्तों को कुरकुरा होने तक भून लें और निकालकर अलग रख दें। अब खाली किए गए पैन में 2 बड़े चम्मच तेल डालें, फिर चना दाल, सूखी लाल मिर्च, जीरा, साबुत धनिया और मूंगफली डालें। मूंगफली समेत सारे मसालों को अच्छी खुशबू आने और सुनहरा होने तक भून लें और ठंडा होने दें। भुनी हुई सामग्री को सूखे आंवले और कुरकुरे करी पत्तों के साथ ग्राइंडर में डालें और इसे पीस लें। ग्राइंडर को पल्स मोड पर चलाएं यानी रुक-रुक कर तब तक पीसें जब तक कि यह दरदरा पाउडर न बन जाए। दरअसल चटनी को लगातार इसलिए नहीं पीसना है क्योंकि ऐसा करने से मूंगफली से तेल निकल सकता है और पोडी (ऑयली) हो सकती है। पीसने के बाद तैयार पोडी को पूरी तरह ठंडा होने दें, फिर इसे एक एयरटाइट कंटेनर में रख लें।

लोकतंत्र बचाने सड़क पर उतरी कांग्रेस, रामचंद गिंडलानी बोले—जनआंदोलन रुकेगा नहीं

जन-चौपाल में रामचंद गिंडलानी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, बोले—ज्ञानेश कुमार को हटाए बिना नहीं थमेगा आंदोलन



तिल्दा-नेवरा। देशभर में कांग्रेस पार्टी द्वारा कथित वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन के तहत तिल्दा-नेवरा में मंडल स्तरीय जन-चौपाल का आयोजन किया गया। ÷लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ÷ के नारे के साथ आयोजित इस जन-चौपाल में कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जन-जागरण अभियान जारी रखने का संकल्प लिया।नेवरा मंडल में शीतला माता मंदिर के समीप मैदान में आयोजित जन-चौपाल की शुरुआत माता शीतला एवं हर-हर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और जयकारों के साथ हुई। कार्यक्रम में पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी एवं छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रामचंद गिंडलानी ने प्रमुख रूप से अपनी बात रखी।

रामचंद गिंडलानी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल-जन-चौपाल में पूर्व अध्यक्ष रामचंद गिंडलानी ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और विभिन्न चुनावों में कथित धांधली के उदाहरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता को जागरूक होना और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना जरूरी है।गिंडलानी ने अपने संबोधन में कहा कि ÷जब तक ज्ञानेश कुमार को हटाया नहीं जाता, तब तक जनआंदोलन थमने वाला नहीं है। युवा पीढ़ी और जेन-जी भी लोकतंत्र के सवाल पर अपनी आवाज बुलंद कर रही है।÷ उनके वक्तव्य ने जन-चौपाल में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच आंदोलन को लेकर उत्साह बढ़ाया।

एसआईआर के बहाने मतदाताओं के नाम काटने का आरोप-कांग्रेस मंडल अध्यक्ष विजय हरिरामानी ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया के बहाने ऐसे मतदाताओं की पहचान की जा रही है, जो भाजपा के खिलाफ मतदान करते हैं, और उनके नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं। उन्होंने रिपोर्ट्स कलेक्टिव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों पर सवाल उठाए।हरिरामानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाएगी। उन्होंने दावा किया कि वोट-चोरी के जरिए बनी सरकार का जाना तय है और जब तक लोकतंत्र एवं मताधिकार की रक्षा का सवाल है, तब तक गांव-गांव और वार्ड-वार्ड में जन-संवाद जारी रहेगा।

नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रखे विचार-जन-चौपाल में दोनों मंडल अध्यक्ष विजय हरिरामानी एवं गोवर्धन यदु के अलावा वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीराम हिंदूजा, सुनील सोनी, लक्ष्मीनारायण वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अजितेश शर्मा, आशा संतोष यादव, दिलीप देवांगन, गजानंद वर्मा, झन्नालाल वर्मा, के. कृष्णमूर्ति, द्वारिका शर्मा, राजकपूर कश्यप, नरोत्तम यदु, जितेंद्र सेन, नीरज राठी, संजय वाघवानी, राहुल तेजवानी, निखिल मंडले, कैलाश गांधी, अनूप खवानी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

दुर्ग-भिलाई में आंवला नवमी पर राजेंद्र पार्क में उमड़ी श्रद्धालु महिलाओं की भीड़

आंवले के वृक्ष की पूजा कर मांगी सुख-समृद्धि



दुर्ग/भिलाई (ब्यूरो)। कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी यानी 'आंवला नवमी' का पावन पर्व आज पूरे देश के साथ-साथ दुर्ग जिले में भी बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर दुर्ग के ऐतिहासिक राजेंद्र पार्क में सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं का तांता लगा हुआ है। महिलाओं ने विधि-विधान से आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और खुशहाली की कामना की।

महिलाओं ने आंवले के वृक्ष को जल अर्पित किया, हल्दी-कुमकुम और अक्षत से तिलक लगाया और पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत या मौली लपेटते हुए परिक्रमा की। धार्मिक मान्यता है कि आंवला नवमी के दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति का वास होता है। पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने आंवला नवमी की व्रत कथा सुनी और वृक्ष की छांव में बैठकर पारंपरिक भोजन और प्रसाद ग्रहण किया। पार्क परिसर में सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा। आस्था, परंपरा और प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला यह पर्व दुर्ग शहर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मान्यता है कि आज के दिन किया गया दान और पूजन कभी नष्ट नहीं होता, यही कारण है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आंवले के पेड़ की पूजा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

रिसाली के 39 लोगों को मिला अपना घर , विधायक ललित और महापौर शशि ने दी बधाई



रिसाली/दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और रिसाली महापौर शशि सिन्हा की उपस्थिति में 39 लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान आवंटन किया गया। हितग्राहियों ने लाटरी निकालकर स्वयं के मकान का सपना पूरा किया। हितग्राही जानकी निषाद ने अपनी पुत्री मिशा से व सीमा धुरा ने अपनी 4 वर्षीय पुत्री तृषा से लाटरी पर्ची को निकलवाया।मोर मकान मोर आस किराएदारी घटक अंतर्गत नगर पालिका निगम रिसाली मे लॉटरी पद्धति से कुल 39 लोगों को आवास आबंटन किया गया। लक्ष्मी नगर 36 यूनिट रिसाली में 4 और प्रदीप्ति नगर 348 यूनिट रिसाली में 35 हितग्राहियों को मकान दिया गया। सबसे पहले एक वरिष्ठ नागरिक को भूतल मे लाटरी पद्धति से आबंटन किया गया । प्रक्रिया को पारदर्शी करने सबसे पहले नियमों की जानकारी दी गई । इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर दुर्ग ग्रामीण, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एम आई सी जमुना ठाकुर, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू, आयुक्त मोनिका वर्मा, नोडल अधिकारी अखिलेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

न्यायिक व्यवस्था के डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में दुर्ग की एक और महत्वपूर्ण पहल

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में पेपरलेस कोर्ट का शुभारंभ



दुर्ग। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशानुसार आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में पेपरलेस कोर्ट (ब्ख्ुश्चद्गहस्द्यद्गह्वह्य ष्टश्शह्लह्ल) का शुभारंभ किया गया। न्यायिक कार्यप्रणाली को आधुनिक, तकनीक आधारित, पारदर्शी एवं अधिक सुगम बनाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। पेपरलेस कोर्ट की शुरुआत से न्यायालयीन कार्यों में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इससे कागजी दस्तावेजों पर निर्भरता कम करने, न्यायिक अभिलेखों के डिजिटल प्रबंधन तथा न्यायिक कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं दक्ष बनाने में सहायता मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि दुर्ग जिले में न्यायिक व्यवस्था के डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में पूर्व से ही विभिन्न तकनीकी पहलों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। आपराधिक प्रकरणों में डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, प्रस्तुतीकरण एवं प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ई-साक्ष्य (द्द-स्द्धद्यह्लद्ध4द्ध) के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी प्रकार, ई-समन्स (द्द-स्द्धद्धश्ठद्धह्य) प्रणाली के माध्यम से समन्स की इलेक्ट्रॉनिक तामिली एवं न्यायालयीन प्रक्रिया को अधिक त्वरित, सुगम और प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। पेपरलेस कोर्ट की शुरुआत इन डिजिटल पहलों को एक नई दिशा एवं गति प्रदान करेगी।पेपरलेस कोर्ट, ई-साक्ष्य एवं ई-समन्स जैसी तकनीकी पहलें न्यायिक व्यवस्था को पारंपरिक कागजी कार्यप्रणाली से आधुनिक डिजिटल प्रणाली की ओर अग्रसर कर रही हैं। इन प्रयासों से न केवल न्यायालयीन कार्यों में समय एवं संसाधनों की बचत होगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रियाओं की दक्षता, अभिलेखों के प्रबंधन तथा कार्यों के प्रभावी निष्पादन में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।इस महत्वपूर्ण पहल से न्यायिक जगत, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों के मध्य विशेष उत्साह का वातावरण है। यह पहल इस बात का परिचायक है कि दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था तकनीकी नवाचारों को अपनाते हुए आधुनिक एवं डिजिटल न्याय प्रणाली के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। पेपरलेस कोर्ट, ई-साक्ष्य एवं ई-समन्स जैसी पहलें न्याय को अधिक सुगम, त्वरित, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाने के साथ-साथ भविष्य की डिजिटल न्याय व्यवस्था की मजबूत आधारशिला स्थापित कर रही हैं।

NDPS मामले में फरार सह आरोपी गिरफ्तार, रेलवे के पुराने लोको शेड से 1.910 किलो गांजा बरामद

किरंदुल पुलिस की कार्रवाई, जब्त गांजे की कीमत करीब 95 हजार रुपए; पहले इसी मामले में 8 किलो गांजे के साथ एक आरोपी पकड़ा गया था



- दंतेवाड़ा/किरंदुल :- जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में किरंदुल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे सह आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर रेलवे के पुराने लोको शेड से 1 किलो 910 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 95 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना किरंदुल में अपराध क्रमांक 65/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इस प्रकरण में पुलिस ने पूर्व में 6 अक्टूबर 2026 को आरोपी शंकर घोष को गिरफ्तार किया था। उस दौरान उसके कब्जे से 8 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था। मामले की जांच के दौरान सह आरोपी सुभाष देवनाथ उर्फ नाटा (53 वर्ष), निवासी किरंदुल, फरार चल रहा था।पुलिस ने तलाश के बाद 17 नवंबर 2026 को सुभाष देवनाथ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर रेलवे के पुराने लोको शेड से 1.910 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने गांजे को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

एसपी के निर्देशन में चल रहा नशे के खिलाफ अभियान

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्रमोहन सिंह (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र खूंटे एवं एसडीओपी श्री अविनाश ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय यादव के नेतृत्व में की गई। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

संभव स्टील ट्यूब्स ने आईटीआई तिल्दा-नेवरा को भेंट की आधुनिक वेल्डिंग मशीनें, युवाओं को मिलेगा उद्योग आधारित प्रशिक्षण

सीएसआर के तहत तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराकर कौशल विकास को बढ़ावा देने की पहल



तिल्दा-नेवरा। क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, केसदा ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) तिल्दा-नेवरा को आधुनिक वेल्डिंग मशीनें एवं अन्य आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण उपकरण प्रदान किए। इस पहल से आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक तकनीक के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।संस्था परिसर में आयोजित उपकरण वितरण कार्यक्रम में संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के ग्रुप सीएसआर श्री एम.जी.के. मूर्ति एवं प्लांट एडमिन हेड श्री अजय सिंह पुंडीर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत तिल्दा के सभापति श्री देवव्रत शर्मा शामिल हुए। मुख्य अतिथि श्री देवव्रत शर्मा ने उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच इस प्रकार के सहयोग को सराहनीय बताते हुए कहा कि आधुनिक प्रशिक्षण उपकरण विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उद्योगों द्वारा शिक्षा संस्थानों को सहयोग प्रदान करना स्थानीय युवाओं के भविष्य और रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है। कंपनी प्रतिनिधियों ने कहा कि संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड स्थानीय युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक वेल्डिंग मशीनों एवं प्रशिक्षण उपकरणों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को उद्योगों में उपयोग होने वाली तकनीक और कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे वे भविष्य में रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। कार्यक्रम के अंत में शासकीय आईटीआई तिल्दा-नेवरा के संस्था प्रमुख श्री पंकज कुमार यादव एवं वेल्डर ट्रेड के प्रशिक्षण अधिकारी श्री नितिन कुमार देवतले ने इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

11 माह से वृद्धावस्था पेंशन के लिए भटक रहा 85 वर्षीय बुजुर्ग, जनदर्शन में कलेक्टर से लगाई गुहार





दुर्ग।* जिला कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में सबसे गंभीर मामला भिलाई निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग का सामने आया, जिन्हें पिछले 11 माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिल रही है। बुजुर्ग ने बताया कि पेंशन बंद होने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शारीरिक रूप से कमजोर होने के साथ आंखों से दिखाई नहीं देने के कारण उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। बैंक और नगर निगम में कई बार संपर्क करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जरूरतमंद गलियों में सीसी रोड निर्माण की मांग-ग्राम पंचायत विनायकपुर के ग्रामीणों ने गांव की जरूरतमंद गलियों में सीसी रोड निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में ऐसी गली का सीमेंटीकरण कराया जा रहा है, जहां पांच वर्ष पहले ही सड़क बन चुकी है और वर्तमान में भी उसकी स्थिति अच्छी है। वहीं, कई गलियां अब तक पक्की सड़क से वंचित हैं। बारिश के दौरान कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने जरूरतमंद गलियों को प्राथमिकता देने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ऊंचाई पर नाली निर्माण से जलभराव की आशंका-नगर निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 52 श्याम नगर, बोरसी के रहवासियों ने बिल्डरों द्वारा नवनिर्मित मकानों के सामने कराए जा रहे नाली निर्माण को लेकर शिकायत दर्ज कराई। रहवासियों के अनुसार नालियों का निर्माण निर्धारित स्तर से अधिक ऊंचाई पर किया जा रहा है, जिससे आसपास के मकानों की जल निकासी प्रभावित हो रही है। घरों का पानी नालियों तक नहीं पहुंच पाने से मोहल्ले में जलभराव और गंदे पानी के जमाव की स्थिति बनने की आशंका है। इससे बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

पट्टा सर्वे के बावजूद सूची में नहीं जुड़ पाए पात्र हितग्राहियों के नाम-भिलाई नगर निगम जोन-1 के अंतर्गत जुनवानी, खम्हरिया एवं वार्ड क्रमांक-1 के निवासियों ने आवासीय पट्टा वितरण योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि पट्टा सर्वे के दौरान आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बावजूद कई पात्र हितग्राहियों के नाम पात्र-अपात्र सूची में शामिल नहीं किए गए। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी सूची में भी उनके नाम नहीं आए। रहवासियों ने संबंधित दस्तावेज और मकानों की जानकारी प्रस्तुत करते हुए पात्र हितग्राहियों के नाम सूची में शामिल कर शासन की योजना के तहत आवासीय पट्टा दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को प्रकरणों का परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में संयुक्त कलेक्टर राहुल कुमार रजक भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने और आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए।





स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com